RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 200 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 15-02-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 महिला सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है : अन्नपूर्णा देवी

6 कांस्टेबल मुदस्सिर अहमद शेख : लहूलुहान होकर भी नहीं की पकड़ ढीली, भारत मां के लिए दिया बलिदान

7 भाई बहनों के बीच तुलना, खुशियां चुरा लेती हैं : संदीपा धर

कांग्रेस ने पूर्वोत्तर में उग्रवाद को बढ़ावा दिया : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर पूर्वोत्तर की उपेक्षा करने और अपने शासनकाल के दौरान असम में उग्रवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

मोदी ने यहां एक रैली में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा देश की सुरक्षा को खतरे में डाला है और असम में उसके कार्यकाल के दौरान भय और असुरक्षा का माहौल बना रहा। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस ने ध्रुवीकरण और वोट बैंक की राजनीति में लिप्त होकर ऐसे निर्णय लिए, जिनसे इन चीजों को बढ़ावा मिला।''

मोदी ने कहा, ''देश का विभाजन मुस्लिम लीग के कारण हुआ था, लेकिन अब 'एमएमसी' – माओवादी, मुस्लिम, कांग्रेस – हैं और लोगों को इनके बारे में जागरूक होना चाहिए।''

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया, लेकिन भाजपा ''अवैध अप्रवासन को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसलिए अगले पांच साल राज्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं''। उन्होंने यह भी दावा किया कि असम में 10 वर्षों से सत्ता से बाहर रहने के कारण कांग्रेस ''सत्ता में रहने के समय से भी अधिक खतरनाक हो गई है और यह बात उसके नेताओं द्वारा दिए गए जहरीले बयानों से स्पष्ट है।'' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने सात दशकों में ब्रह्मपुत्र नदी पर केवल तीन पुलों का निर्माण किया, लेकिन भाजपा सरकार ने 10 वर्षों में पांच पुलों का निर्माण किया।

मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार के प्रयासों से असम में चौतरफा विकास हो रहा है। उन्होंने कहा, ''भाजपा असम की पहचान और उसकी परंपराओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।''

मोदी ने कहा कि भाजपा की सफलता का श्रेय केवल पार्टी कार्यकर्ताओं को जाता है और पार्टी संगठनात्मक शक्ति में भरोसा रखती है।

राहुल गांधी की नीति है 'झूठ' बोलकर जनता को गुमराह करना : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराईकल (पुडुचेरी)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि हाल में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों एवं भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में देश के किसानों और मछुआरों के हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है। शाह ने कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी पर ''झूठ'' बोलकर किसानों एवं मछुआरों को गुमराह करने और ''भ्रम'' पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

शाह ने पुलवामा हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ 'सर्जिकल स्ट्राइक' और इसके बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी निर्णायक कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सीआरपीएफ जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए शाह ने आरोप लगाया कि गांधी ने ''रोजाना झूठ बोलने की एक नई परंपरा शुरू कर दी है।'' शाह ने राहुल से कहा कि वे ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ-साथ अमेरिका के साथ हुए हालिया समझौतों की बारीकियों को 'ध्यानपूर्वक' पढ़ें। समझौतों को लेकर कांग्रेस सांसद ने तीखे हमले किए थे। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के कराईकल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक बड़ी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ''झूठ बोलना, जोर-जोर से झूठ बोलना और उसे दोहराना राहुल गांधी की नीति है।

फर्स्ट टेक

रूस के विपक्षी नेता नवलनी को जहर दिया गया था : पांच यूरोपीय देश

लंदन/एपी। पांच यूरोपीय देशों ने दावा किया कि रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी को प्राण घातक जहर दिया गया था और इसके लिए रूस की सरकार (क्रेमलिन) जिम्मेदार है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन और नीदरलैंड के विदेश मंत्रालयों ने शनिवार को कहा कि दो साल पहले दिवंगत हुए नवलनी के नमूनों के विश्लेषण से ''एपाइबेटिडाइन की उपस्थिति की पुष्टि हुई है।'' यह दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले जहरीले डार्ट मेंढकों में पाया जाने वाला एक विष है। इन देशों ने कहा कि ''केवल रूस की सरकार के पास ही इस हमले को अंजाम देने के लिए आवश्यक साधन और उद्देश्य था।''

देश भर में 466 कैंसर देखभाल केंद्र कार्यरत

नई दिल्ली/भाषा। देश भर में 450 से अधिक 'डे केयर कैंसर सेंटर' कार्यरत हैं और यह दर्शाता है कि जिला स्तरीय कीमोथेरेपी सेवाओं का निरंतर विस्तार और सुदृढ़ीकरण हो रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सरकार ने केंद्रीय बजट 2025-26 में अगले तीन वर्षों में देश भर के जिला अस्पतालों में 'डे केयर कैंसर सेंटर' (डीसीसीसी) स्थापित करने की घोषणा की थी, जिसमें चालू वित्त वर्ष के दौरान ऐसे 200 केंद्र स्थापित किए जाने हैं। कैंसर के बढ़ते मामले और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता क देखते हुए यह पहल शुरू की गई थी ताकि कीमोथैरेपी सेवाएं रोगियों के घरों के करीब उपलब्ध हो सकें। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा, नियमित कैंसर उपचार का विकेंद्रीकरण करना और निर्धारित कीमोथैरेपी के लिए विशेष अस्पतालों पर निर्भरता कम करना इसका उद्देश्य है।

अमेरिकी सेना ने सीरिया में इस्लामिक स्टेट के ठिकानों पर कई हवाई हमले किये

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी सेना ने सीरिया में आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के ठिकानों पर सिलसिलेवार तरीके से कई हवाई हमले किये जाने की जानकारी शनिवार को दी। ये हमले दिसंबर में हुए उस हमले के जवाब में किए गए थे जिसमें दो अमेरिकी सैनिक और एक अमेरिकी नागरिक अनुवादक मारा गया था। अमेरिकी केंद्रीय कमान ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी विमानों ने तीन फरवरी से बृहस्पतिवार के बीच आईएस के 30 से अधिक ठिकानों पर 10 हमले किए, जिनमें हथियार भंडारण सुविधाओं और अन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया।

15-02-2026 सूर्यास्त 6:25 बजे	16-02-2026 सूर्योदय 6:41 बजे
BSE 82,626.76 (-1,048.16)	NSE 25,471.10 (-336.10)
सोना 16,243 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 240,218 रु. प्रति किलो

कैंसर के इलाज से जुड़ा नवाचार हर देश तक पहुंचना चाहिए : फडणवीस

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कैंसर को भारत की स्वास्थ्य प्रणाली के लिए सबसे बड़ी चुनौती बताया और कहा कि इसके इलाज से जुड़ा नवाचार हर देश तक पहुंचना चाहिए क्योंकि मानवता की कोई सीमा नहीं होती। नागपुर के राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में 'ऑन्कोलॉजी बियॉन्ड बॉर्डर्स' विषय पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने संदिग्ध मामलों की पहचान करने के तरीकों और बीमारी के शीघ्र उपचार की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में कैंसर के मामले 'अकल्पनीय' गति से बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि कुछ बीमारियों के उन्मूलन में बहुत अच्छा प्रदर्शन करने वाला भारत जैसा देश दुर्भाग्य से अब कैंसर से जूझ रहा है।

फडणवीस ने कहा, ''फिलहाल कैंसर भारत की स्वास्थ्य प्रणाली के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। यह सिर्फ यहीं नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि अगले दो दशकों में विश्व स्तर पर कैंसर के मामलों में 75 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थिति 'बेहद भयावह' है। फडणवीस ने बताया कि पिछले पांच वर्ष में महाराष्ट्र में कैंसर के मामलों में 11 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि न केवल इस बीमारी से लड़ा जाए, बल्कि इसकी रोकथाम भी की जाए। उन्होंने कहा कि नए उपचार प्रोटोकॉल के माध्यम से कैंसर का इलाज अधिक किफायती बनाया जाना चाहिए। फडणवीस ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार उपचार खर्च को कम करने के लिए आयातित कैंसर दवाओं, विकिरण मशीनों और संबंधित उपकरणों पर कर घटा रही है।

सैंड आर्ट

शनिवार को ओडिशा के पुरी समुद्र तट पर महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर पद्मश्री सम्मानित सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक रेत की आकर्षक मूर्ति बनाते हुए।

भाजपा-जद(एस) गठबंधन को लेकर कोई भ्रम नहीं : कुमारस्वामी

बेंगलूरु/भाषा। केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने शनिवार को भाजपा-जनता दल (सेक्युलर) गठबंधन में भ्रम की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि गठबंधन को लेकर स्पष्टता है और मुख्यमंत्री पद पर चर्चा करना अभी जल्दबाजी होगी।

बृहत बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) के चुनावों की तैयारी से जुड़ी बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पार्टी के राज्य कार्यालय, जेपी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी तात्कालिक प्राथमिकता राज्य में 'जनविरोधी सरकार' को हटाना और आगामी चुनावों का सामना करने के लिए गठबंधन को मजबूत करना है।

कुमारस्वामी ने कहा, ''अभी मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इस पर चर्चा करने का समय नहीं है। इसके लिए अभी समय है। अगर हम अभी इस बारे में बात करेंगे, तो यह बच्चे के जन्म से पहले ही पालना सिलने जैसा होगा।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नेतृत्व संबंधी प्रश्न उचित समय पर उठाए जाएंगे।

बीएनपी ने मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा, 'भारत के साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हैं'

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में 13वें संसदीय चुनाव में भारी जीत हासिल करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शनिवार को कहा कि वह दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए भारत के साथ साझा प्रतिबद्धता एवं रचनात्मक जुड़ाव की उम्मीद करती है। बीएनपी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस पोस्ट का जवाब दे रही थी जिसमें उन्होंने पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान को निर्णायक जीत के लिए बधाई दी थी, जो बांग्लादेश की जनता के विश्वास को दर्शाती है। रहमान की बीएनपी ने शुक्रवार को हुए ऐतिहासिक संसदीय चुनावों में दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ शानदार जीत हासिल की।

देश से आतंकवाद के सभी स्वरूपों को मिटाना हमारा कर्तव्य है : सीआरपीएफ महानिदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुलवामा/भाषा। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) प्रमुख ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने देश से आतंकवाद के हर स्वरूप के समूल उन्मूलन के लिए शनिवार को बल की प्रतिबद्धता दोहरायी। सिंह ने कहा कि सीआरपीएफ राष्ट्र की सुरक्षा के लिए पूरी दृढ़ता और संकल्प के साथ कार्य करती रहेगी तथा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

दक्षिण कश्मीर के लेथपोरा जिले में आज ही के दिन 2019 में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले सीआरपीएफ के 40 जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद सिंह ने पत्रकारों से कहा, ''सीआरपीएफ देश से आतंकवाद के सभी स्वरूपों को मिटाने के लिए कर्तव्यबद्ध है।''

सीआरपीएफ के शीर्ष अधिकारियों ने सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शहीद सीआरपीएफ जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की।

सीआरपीएफ महानिदेशक सिंह ने कहा, हमने इस दिन अपने 40 बहादुर जवान खो दिए। हम यहां (हमले के) स्थल के पास शहीदों को श्रद्धांजलि देने आए हैं।

सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि सीआरपीएफ परिवार और सीआरपीएफ परिवार कल्याण संस्था शहीदों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा, इस दौरान हमने शहीदों के परिवारों को कई संसाधन उपलब्ध कराए हैं। जहां जरूरत थी, वहां आवास आवंटित किए गए; कुल 19 परिवारों को घर दिए गए हैं और संबंधित राज्य सरकारों के समन्वय से कई अन्य परिवारों को जमीन दी गई है। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ और सीआरपीएफ परिवार कल्याण संस्था इन परिवारों के बच्चों की शिक्षा का पूरा खर्च उठा रहे हैं और आगे भी ऐसा करते रहेंगे।

सिंह ने कहा, सभी बच्चों को वयस्क होने पर अनुकंपा नियुक्ति मिलेगी। परिवारों को सरकार की ओर से लगभग 2.25 करोड़ से तीन करोड़ रुपए की राहत राशि दी गई है। उन्होंने कहा कि शहीद परिवारों की वास्तविक चिंताओं को दूर करने के लिए वीर परिवार ऐप शुरू किया गया है। सिंह ने कहा कि सीआरपीएफ कल्याण निदेशालय सभी शहीद परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए उनसे सक्रिय रूप से संपर्क में है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आवारा पशुधन

बाधित हैं सारे राजमार्ग,
सड़कों पर बैठा है पशुधन।
आवारा गौ और वत्स त्रस्त,
बिन मालिक फिरते हैं वन-वन।
पाले अब इनको कौन व्यर्थ,
पर्याप्त नहीं है संसाधन।
नित होती दुर्घटनाओं से,
आतंकित है सारा जन-मन।।

सहज स्मृति योग

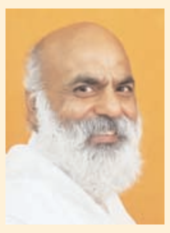

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी, आपको मेरा महाशिवरात्रि का प्रणाम स्वीकार हो। मेरा प्रश्न यह है कि, सभी मानव मूलतः समान हैं यह सभी कहते हैं और मानवता एक है यह भी सभी कहते हैं तब तो फिर व्यक्तिगत तौर पर हरेक का और, सामूहिक तौर पर सबका 'मूल' प्रश्न तो एक ही होगा न ? और उसका समाधान हो जाने पर सभी के जीवन की शेष सभी समस्याएं खेल की तरह दिखने लगेंगीं क्या ? आप कृपा कर बस इतना भर बता दीजिए कि वह प्रश्न कौन सा है?

उत्तर: आपका प्रणाम स्वीकार है और प्रश्न भी। हम सब एक दूसरे को अनेक दिखते हैं तो अनेकों के प्रश्न भी हम सबको अनेक दिखेंगे। पर, किसी एक में भी जब अनेकों में एक देखने का सामर्थ्य (धैर्य) प्रकट हो जाता है तो उसे तो अनेकों का प्रश्न भी एक ही दिखता है। यदि सबका मूल प्रश्न हरेक के लिए ही एक हो जाए तो वह धरती वासियों के लिए आदर्श स्थिति होगी। क्योंकि, सबका मूल समाधान तो एक ही है, केवल प्रश्न की विविधता/भिन्नता हो तो उन्हें अनेक होने के भाव से ऊपर उठकर एकीभाव में प्रतिष्ठित होने से दूर किए रहती है वे अपने मूल से दूर बने रहते हैं, उनकी घर वापसी उनके लिए एक ऐसा सपना बनी रहती है कि वे प्रयास करें तो वह यथार्थ हो जाए। जिसके आधार पर आप (या सभी) यह कह पा रहे हैं कि मानवता एक है तथा सभी समान हैं सबका या आपका (हमारा) उसे ही न पहचान पाना या पहचान कर भी दैनंदिन जीवन व्यवहार में पल-पल अपनी प्राथमिकताओं के मूल क्रम में सबसे पहले न रख पाना ही मूल प्रश्न है। यह न जाने कितनी बार बताया जा चुका है और, न जाने कितनी बार बताया जाता रहता है फिर भी लोग शेष समस्याओं को प्राथमिक समझते रहते हैं और वही उनके लिए प्राथमिक बनी रहतीं है।

उपप्रवर्तकश्री पंकजमुनि व वरुणमुनि पहुंचे कोल्हापुर

संतों के सान्निध्य में होगा गुरु अमर पुण्य स्मृति महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्हापुर। श्रमण संघ के उपप्रवर्तक व राष्ट्रसंत श्री पंकज मुनिजी, भारत गौरव डॉक्टर वरुण मुनिजी, श्री रुपेश मुनिजी गांधीनगर बेंगलूरु में वर्ष 2025 का चातुर्मास संपन्न कर राजाजीनगर, कृष्णागिरी, हुमचा पद्मावती, हंपी, बादामी एवं गोवा होते हुए महाराष्ट्र की धर्मनगरी कोल्हापुर में प्रथम बार मंगलमय आगमन हुआ। संघ के अध्यक्ष हीरालाल कर्णावट सभी संतों का स्वागत करते हुए कहा कि संघ के सौभाग्य से संतों का मंगलमय पदार्पण हुआ है। समाज के महामंत्री जयंत सेठ ने कहा कि गुरु अमर पुण्य स्मृति महोत्सव मनाने का अवसर भी कोल्हापुर संघ को प्राप्त हो रहा है। कोषाध्यक्ष प्रीतम जैन ने बताया कि 13 फरवरी को जप दिवस, 14 फरवरी को तप दिवस मनाया गया तथा 15 फरवरी को सामायिक दिवस के अंतर्गत गुणगान सभा का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर अमर मुनि जी की तेरहवीं पुण्यतिथि के वार्षिक कार्यक्रम पर कोल्हापुर संघ की ओर से वृद्धाश्रम, कुष्ठाश्रम, अनाथाश्रम एवं अंधबच्चों के विद्यालय में अन्नप्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में बेंगलूरु, गोवा, पूना व आसपास से श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि संतश्री अमर मुनि जी एक महान प्रवचनकार एवं संत शिरोमणि थे। उनके प्रवचनों में जैन धर्म के साथ-साथ गीता, पुराण, कुरान, बाइबिल, गुरु ग्रंथ साहिब, वेद एवं उपनिषद सहित सभी धर्मग्रंथों का सुंदर समन्वय होता था। इसी कारण जैन समुदाय के साथ-साथ हिंदू , मुस्लिम, सिख, ईसाई एवं अन्य धर्मावलंबी भी बड़ी श्रद्धा-भक्ति से उनके प्रवचनों का श्रवण करते थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में 108 युवक-युवतियों को दीक्षा मंत्र प्रदान कर उन्हें संन्यास जीवन की ओर अग्रसर किया। गुरुदेव की सद्प्रेरणाओं से सैकड़ों संस्थाओं की स्थापना हुई, जिनमें विद्यालय, महाविद्यालय, चिकित्सालय एवं विभिन्न धर्मस्थल सम्मिलित हैं।

शंकराचार्य के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना 'शाब्दिक हिंसा' और पाप है : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि शंकराचार्य के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना ''शाब्दिक हिंसा'' और पाप है।

अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पहन ले कोई जैसे भी 'चोले', पर उसकी वाणी पोल खोले। परम पूज्य शंकराचार्य जी के बारे में घोर अपमानजनक अपशब्द बोलना शाब्दिक हिंसा है और पाप भी। ऐसा कहने वाले के साथ-साथ उन्हें भी पाप लगेगा जिन्होंने चापलूसी में मेजें थपथपाई हैं। उन्होंने कहा कि जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सदन के बाहर जनता का सामना करेंगे तो जनता सड़क पर उनका सदन लगा देगी। अखिलेश यादव की टिप्पणी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुक्रवार को विधानसभा में यह कहने के एक दिन बाद आई कि हर कोई ''शंकराचार्य'' की उपाधि का इस्तेमाल नहीं कर सकता और सभी कार्यक्रमों के दौरान धार्मिक मर्यादा और कानून का शासन बनाए रखा जाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने कहा, जो महाकुंभ की मौतों पर सच्चे आंकड़े नहीं बताते, मुआवजा में भी भ्रष्टाचार निकाल लेते हैं; जिन तक मुआवजा नहीं पहुंचा, उसका हिसाब नहीं देते; अपने ऊपर लगे मुकदमे हटवाते हैं; ऐसे लोग किसी और के 'धर्म-पद' पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं रखते।

यादव ने कहा, अपने बयान में उन्होंने 'कानून का शासन' बोल दिया। जैसे ही उनका ध्यान जाएगा, वे 'विधि का शासन' बोलने के लिए क्या फिर से सदन बुलाएंगे या टांग पर खड़े होकर 'लड़खड़ाता प्रायश्चित' करेंगे। जब इंसान नहीं, अहंकार बोलता है तो यही होता है। अहंकार संस्कार को विकार में बदल देता है। वह व्यक्ति समाज में मान-सम्मान खो देता है, जिसके बारे में कहावत प्रचलित है 'जब मुंह खोला, तब बुरा बोला।''

राहुल गांधी अपरिपक्व हैं, उन्हें अर्थव्यवस्था की समझ नहीं है : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपरिपक्व बताते हुए कहा कि उन्हें अर्थव्यवस्था की समझ नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के पास नरेन्द्र मोदी सरकार की आलोचना के लिए कोई रचनात्मक एजेंडा नहीं है, इसलिए वह भ्रामक सूचनाएं फैला रहा है।

केंद्रीय बजट पर संवाददाताओं से बातचीत में गोयल ने कहा कि राहुल गांधी सच से हजारों मील दूर हैं और उनके जैसा विश्वनीयता खो चुका नेता चाहे लाख कोशिश कर ले, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और उनकी राष्ट्र सेवा को नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा, कांग्रेस हताश है। उसके पास झूठे और मनगढ़ंत दावे करने के अलावा अन्य कोई योजना या समाधान नहीं है। हमारी आलोचना करने का कोई ठोस आधार नहीं है। वे गलत जानकारी फैलाकर किसानों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

मुंबई उत्तर से भाजपा के लोकसभा सांसद गोयल ने कहा कि कांग्रेस अपनी सीमाओं को समझने में विफल रही है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी को अर्थव्यवस्था की कोई समझ नहीं है, वे केवल सोशल मीडिया पर झूठी और भ्रामक बातें लिखते हैं। वह सच से मीलों दूर हैं। भारत की कपास उत्पादन क्षमता और आवश्यकता दोनों बढ़ेंगी। कच्चा माल आयात कर उसे प्रसंस्कृत कर निर्यात करना वैश्विक व्यापार में पुराना तरीका है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और कपास व वस्त्र क्षेत्र को लेकर राहुल गांधी की ओर से की गई आलोचना पर पलटवार करते हुए गोयल ने कहा कि जब अपरिपक्व लोग राजनीति में आते हैं तो इस स्तर के आरोप लगाए जाते हैं।

अकासा एयर उड़ानों के संचालन में अवसरवादी ढंग से काम नहीं करती: सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निजी विमानन कंपनी अकासा एयर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय दुबे ने शनिवार को कहा कि एयरलाइन का ध्यान परिचालन में वैकल्पिक व्यवस्था एवं राजकोषीय अनुशासन पर है और कंपनी अवसरवादी तरीके से काम नहीं करती है। दुबे ने कहा कि अकासा एयर की रणनीति का एक अहम तत्व अपने विमान बेड़े का अनुशासित प्रबंधन है। उन्होंने कहा, हम यह सोचकर अवसरवादी रुख नहीं अपनाते हैं कि मांग के ऊंचे महीनों में पट्टे पर लेकर अपने बेड़े में अतिरिक्त विमान जोड़ लें। उन्होंने कहा, इसी तरह, हम मांग में कमी आने पर विमानों को खड़ा कर देने या वापस भेज देने की नीति नहीं अपनाते हैं। मेरा मानना है कि योजना बनाना और राजकोषीय अनुशासन हमारे लिए प्रमुख आधार हैं।

अकासा एयर के बेड़े में फिलहाल 33 विमान हैं और जल्द ही एक और विमान इसके बेड़े में शामिल होने वाला है। एयरलाइन ने अगस्त, 2022 में अपना परिचालन शुरू किया था।

दुबे ने यहां 'ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट 2026' को संबोधित करते हुए कहा कि अतिरिक्त व्यवस्थाओं का निर्माण एयरलाइन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, चाहे वह पूंजी की अतिरिक्त व्यवस्था हो या कर्मचारियों की।

बांग्लादेश में नई सरकार बनने के बाद भारत के साथ संबंध बेहतर होने की उम्मीद : उमर

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को उम्मीद जताई कि बांग्लादेश में नई सरकार बनने के बाद भारत के उसके साथ संबंध बेहतर होंगे। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों में स्थिरता से भारत को लाभ होगा।

श्रीनगर में शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित वार्षिक एग्रीटेक महोत्सव 'गोंगुल' के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बातचीत में अब्दुल्ला ने कहा, हमारे पड़ोसी देश जितने अधिक स्थिर होंगे, उतना ही हमें फायदा होगा। कोई भी देश युद्ध या अपने किसी पड़ोसी देश को अस्थिर नहीं देखना चाहता फिर चाहे वह बांग्लादेश हो, श्रीलंका, नेपाल या कोई अन्य देश हो। उन्होंने कहा कि भारत चाहता है कि बांग्लादेश में लोकतंत्र कायम रहे और वह स्थिर तथा समृद्ध बने।

अब्दुल्ला ने कहा हमें उम्मीद है कि वहां सरकार गठन के बाद दोनों देशों के रिश्ते सुधरेंगे, जिनमें कुछ कड़वाहट आ गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों की मदद से किसानों तक प्रौद्योगिकी आधारित जैविक समाधान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा, लाखों लोग इस महोत्सव में आ रहे हैं और इसका लाभ उठा रहे हैं। यदि व्यापार समझौते के बाद हमें अमेरिका जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा करनी है और उनका कृषि उत्पाद हमारे बाजार में आएगा, तो हमें अपनी उत्पादकता और गुणवत्ता बढ़ानी होगी। इस दिशा में यह महोत्सव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पंजाब पुलिस ने फिरोजपुर में चार को गिरफ्तार किया, 22 किलोग्राम हेरोइन और आग्नेयास्त्र जब्त

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के फिरोजपुर जिले से पुलिस ने शनिवार को चार लोगों की गिरफ्तारी की तथा हथियारों और गोला-बारूद के साथ 22 किलोग्राम से अधिक हेरोइन की बरामदगी के साथ एक नशीले पदार्थ-हथियार गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने कहा कि पुलिस ने 22.295 किलोग्राम हेरोइन, दो ग्लॉक पिस्तौल, मैगजीन और कारतूस, एक कार और 2.05 लाख रुपए नकद बरामद किए।

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच जारी है।

आंध्र प्रदेश ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पेश किया 3.32 लाख करोड़ रुपए का बजट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश सरकार ने शनिवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3.32 लाख करोड़ रुपए से अधिक का बजट पेश किया जिसमें 2.56 लाख करोड़ रुपए के राजस्व व्यय और लगभग 54,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय का प्रस्ताव रखा गया है।

आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री पय्यावुला केशव ने राज्य विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि अनुमानित राजस्व घाटा लगभग 22,000 करोड़ रुपए (जीएसडीपी का 1.11 प्रतिशत) होगा और राजकोषीय घाटा लगभग 76,000 करोड़ (जीएसडीपी का 3.84 प्रतिशत) आंका गया है।

केशव ने कहा, वित्तीय दृष्टिकोण से हमें अभी भी संकट से बाहर आना बाकी है। चीजें इतनी अच्छी नहीं हैं। मुझे अभी भी पिछले शासन द्वारा की गई वित्तीय गड़बड़ियों को सुधारने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, लेकिन हमारे इरादे मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार एक 'एपी वेल्थ फंड' शुरू करेगी, जो भविष्य में नॉर्वे और अबू धाबी की सरकारी संपत्ति निधियों की तरह बड़ा और मजबूत बन जाएगा और इतना सक्षम होगा कि पूरे राज्य को चलाने में मदद कर सके। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट आंकड़ों के अनुसार, राज्य सरकार को खुले बाजार से 76,000 करोड़ रुपए और केंद्र से 19,000 करोड़ रुपए जुटाने की उम्मीद है, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 में राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 19.75 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।

वित्त वर्ष 2026-27 में सार्वजनिक ऋण 7.11 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2025-26 में 6.35 लाख करोड़ रुपए, 2024-25 में 5.68 लाख करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 2023-24 में 4.91 लाख करोड़ रुपए था।

वित्त वर्ष 2026-27 में सार्वजनिक ऋण एवं जीएसडीपी अनुपात 36 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले दो वित्तीय वर्षों के समान स्तर को बनाए रखेगा, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 35 प्रतिशत था, जब सार्वजनिक ऋण 4.91 लाख करोड़ रुपए था। बजट में स्कूली शिक्षा के लिए 32,308 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं जबकि स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण विभाग के लिए 19,306 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की अगुवाई वाले पंचायती राज और ग्रामीण विकास विभाग को लगभग 23,000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

किसानों की आवाज उठाने पर धनखड़ को इस्तीफा के लिए मजबूर किया गया : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की पृष्ठभूमि में दावा किया कि किसान पुत्र जगदीप धनखड़ को पिछले साल किसानों की आवाज उठाने के लिए उपराष्ट्रपति पद से त्यागपत्र देने के लिए मजबूर किया और आज तक उनका विदाई समारोह भी नहीं हुआ। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि इससे प्रधानमंत्री का असली रंग दिखता है। उन्होंने धनखड़ की राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ हालिया मुलाकात संबंधी पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए कहा, किसानपुत्र जगदीप धनखड़ जी को 21 जुलाई 2025 को भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया, क्योंकि मोदी सरकार को किसानों के समर्थन में उनकी आवाज़ उठाना रास नहीं आया। आज तक उनके लिए कोई विदाई समारोह भी आयोजित नहीं किया गया है। उन्होंने दावा किया कि इससे प्रधानमंत्री का असली रंग दिखता है, जिन्होंने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते से सहमत होकर लाखों किसानों के हितों के साथ विश्वासघात किया है।

भाजपा को रोकने के लिए ''एकजुट'' हो गई हैं कांग्रेस-बीआरएस-एआईएमआईएम : बंडी संजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

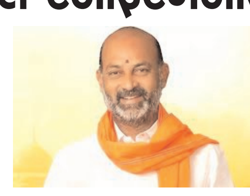

हैदराबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता बंडी संजय कुमार ने शनिवार को तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस, विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) पर करीमनगर में भाजपा को महापौर पद हासिल करने से रोकने के लिए 'एकजुट' होने का आरोप लगाया। करीमनगर निकाय चुनाव भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है।

नगर निकाय में कुल 66 वार्ड में से भाजपा ने 30 में जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस, बीआरएस, एआईएमआईएम, ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक (एआईएफबी) और निर्दलीय उम्मीदवारों ने क्रमशः 14, 9, 3, 3 और सात सीट जीती हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''ये तीनों पार्टियां इस सोच के साथ एकजुट हुई हैं कि भाजपा को महापौर का पद नहीं मिलना चाहिए। हम लंबे समय से कहते आ रहे हैं कि बीआरएस और कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। करीमनगर में उनकी साजिशें बेनकाब होने वाली हैं। बीआरएस और कांग्रेस के नेता गुप्त रूप से नहीं बल्कि खुलेआम बातचीत कर रहे हैं। कुमार ने बीआरएस के एक विधायक का हवाला दिया जिसने दावा किया था कि मुख्यमंत्री (ए रेवंत रेड्डी) ने गतिरोध समाप्त करने के वास्ते समन्वय के लिए निजी तौर पर संपर्क किया था। कुमार ने आरोप लगाया कि भाजपा के एक उम्मीदवार को समर्थन के बाद लाभ का प्रलोभन दिया गया था, लेकिन उन्होंने प्रस्ताव ठुकरा दिया। करीमनगर से लोकसभा सदस्य संजय कुमार ने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि भाजपा को महापौर पद लेने से रोकने के लिए ''एकसाथ आने'' का निर्णय स्थानीय व्यवस्था है या उनके आलाकमान का निर्देश।

उन्होंने कहा कि करीमनगर में नगर निगम चुनाव जीतने वाले निर्दलीय उम्मीदवारों ने भाजपा को अपना समर्थन देने का वादा किया है और उन्हें विश्वास है कि उनकी पार्टी महापौर पद जीत लेगी।

न्याय तक पहुंच अमूर्त आदर्श बनकर नहीं रह सकती, जो सिर्फ सक्षम लोगों के लिए आरक्षित हो : सीजेआई

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि न्याय तक पहुंच केवल कानूनी रूप से सक्षम लोगों के लिए सुरक्षित एक अमूर्त आदर्श बनकर नहीं रह सकती, बल्कि इसे हाशिए पर मौजूद नागरिकों के लिए वास्तविक परिणामों में परिवर्तित होना चाहिए।

यहां राष्ट्रमंडल न्यायिक शिक्षाविदों (सीजेई) की 11वीं द्विवार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि न्यायिक नेतृत्व को प्रशासनिक अधिकार या संस्थागत पदानुक्रम तक सीमित नहीं किया जा सकता है और इसे एक बौद्धिक एवं नैतिक अभिविन्यास के रूप में समझा जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''न्याय तक पहुंच एक अमूर्त आदर्श बनकर नहीं रह सकती, जो केवल कानूनी रूप से सशक्त लोगों के लिए आरक्षित हो। इसे न्याय की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति, हाशिए पर पड़े नागरिक के लिए वास्तविक परिणामों में तब्दील होना चाहिए, जिसका न्याय प्रणाली पर भरोसा इसकी सुलभता और जवाबदेही पर टिका है।'' न्याय व्यवस्था में प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को न्यायिक तर्क में सहायता करनी चाहिए, न कि उसका स्थान लेना चाहिए।

घरेलू धन प्रेषण में कम समय और लागत लगे, इसकी व्यवस्था होनी चाहिए : रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

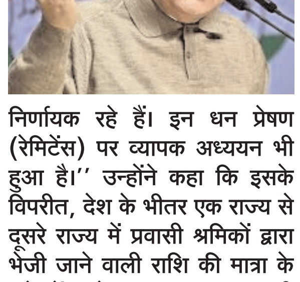

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को कहा कि घरेलू स्तर पर धन प्रेषण (रेमिटेंस) में लगने वाला समय और लागत कम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे उत्तर प्रदेश सहित कई पूर्वी और उत्तरी राज्यों की अर्थव्यवस्थाओं को मदद मिलती है।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भारत को 2025 में विदेशों से पहले लगभग 135 अरब डॉलर की राशि (रेमिटेंस) प्राप्त हुई। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 3.4 प्रतिशत है। देश के भुगतान संतुलन के प्रबंधन में विदेश से भारतीय नागरिकों द्वारा भेजे जाने वाले पैसे की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है और केरल जैसे कई राज्यों की अर्थव्यवस्था के लिए ये निर्णायक रहे हैं। इन धन प्रेषण (रेमिटेंस) पर व्यापक अध्ययन भी हुआ है।'' उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, देश के भीतर एक राज्य से दूसरे राज्य में प्रवासी श्रमिकों द्वारा भेजी जाने वाली राशि की मात्रा के बारे में अपेक्षाकृत कम जानकारी उपलब्ध है। रमेश ने कहा, ''केरल के संबंध में कुछ अनुमान लगाए गए हैं, जिनके अनुसार एक अध्ययन बताता है कि केरल के भीतर से होने वाले घरेलू धन प्रेषण, केरल को विदेशों से प्राप्त प्रेषणों का लगभग एक-तिहाई हो सकते हैं।'' रमेश ने इस बात का उल्लेख किया, ''एमस्टर्डम विश्वविद्यालय के शिक्षाविद रॉबिन वैन जेन ड्यूजिन ने अत्यंत उपयोगी लेख लिखा है। उनके अनुसार, 2024 में पूरे भारत में घरेलू धन प्रेषण का अनुमान 36 से 48 अरब डॉलर के बीच है। यह भारत को विदेशों से प्राप्त प्रेषण का लगभग एक-तिहाई से अधिक है।'' रमेश ने कहा, ''दुर्भाग्यवश, घरेलू धन प्रेषण को कम सुर्खियां मिलती हैं, वे कम उत्साह पैदा करते हैं और उन्हें विदेशों से आने वाले धन प्रेषण की तुलना में कम नीतिगत ध्यान प्राप्त होता है। यह स्थिति बदलनी चाहिए, क्योंकि घरेलू प्रेषण की मात्रा भी महत्वपूर्ण है और उनका सामाजिक-आर्थिक प्रभाव भी व्यापक है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन प्रेषण में लगने वाले समय और लागत को कम किया जाना चाहिए।

रमेश का यह भी कहना है कि घरेलू प्रेषण पूर्वी राज्यों तथा उत्तर प्रदेश जैसे कुछ उत्तरी राज्यों की अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ कर रहे हैं।

जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन से गिराई गई 6.5 किलोग्राम हेरोइन जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शनिवार को सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए 40 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की 6.5 किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार से ड्रोन के जरिए सामग्री गिराए जाने की सूचना मिली थी, जिसके बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 165वीं बटालियन और बसपुर क्षेत्र के नई बस्ती करोताना गांव की पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान यह खेप बरामद की गई। एक प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस को इन संदिग्ध ड्रोन के बारे में 13 और 14 फरवरी की दरमियानी रात को जानकारी मिली थी। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास के खेत में हेरोइन से भरे पीले रंग के दो पैकट बरामद किए गए, जिनमें 6.582 किलोग्राम हेरोइन थी। उन्होंने इस जब्ती को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान में एक बड़ी उपलब्धि करार दिया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। बरामद किए गए नशीले पदार्थों के स्रोत तथा उन्हें कहां ले जाया जाना था इसका पता लगाने के लिए जांच जारी है।

पुलिस ने नागरिकों, विशेषकर अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास रहने वाले लोगों से अपने इलाकों में मादक पदार्थों की अवैध गतिविधियों से संबंधित किसी भी जानकारी को बताने के लिए आग्रह किया।

प्रवक्ता ने कहा, ''जनता के निरंतर सहयोग से नशामुक्त और अपराधमुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

यह बरामदगी कठुआ जिले के सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से हेरोइन की तस्करी करने के आरोप में दो लोगों की गिरफ्तारी के एक दिन बाद हुई है।

पंजाब के पठानकोट निवासी जतिन और कठुआ निवासी दानिश डोगरा उर्फ साजन को नगरी के पास ड्रोन से गिराई गई 150 ग्राम हेरोइन की बरामदगी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। दोनों आरोपी वीओआईपी (वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल) कॉल के जरिए पाकिस्तान में मौजूद एक तस्कर के संपर्क में थे।

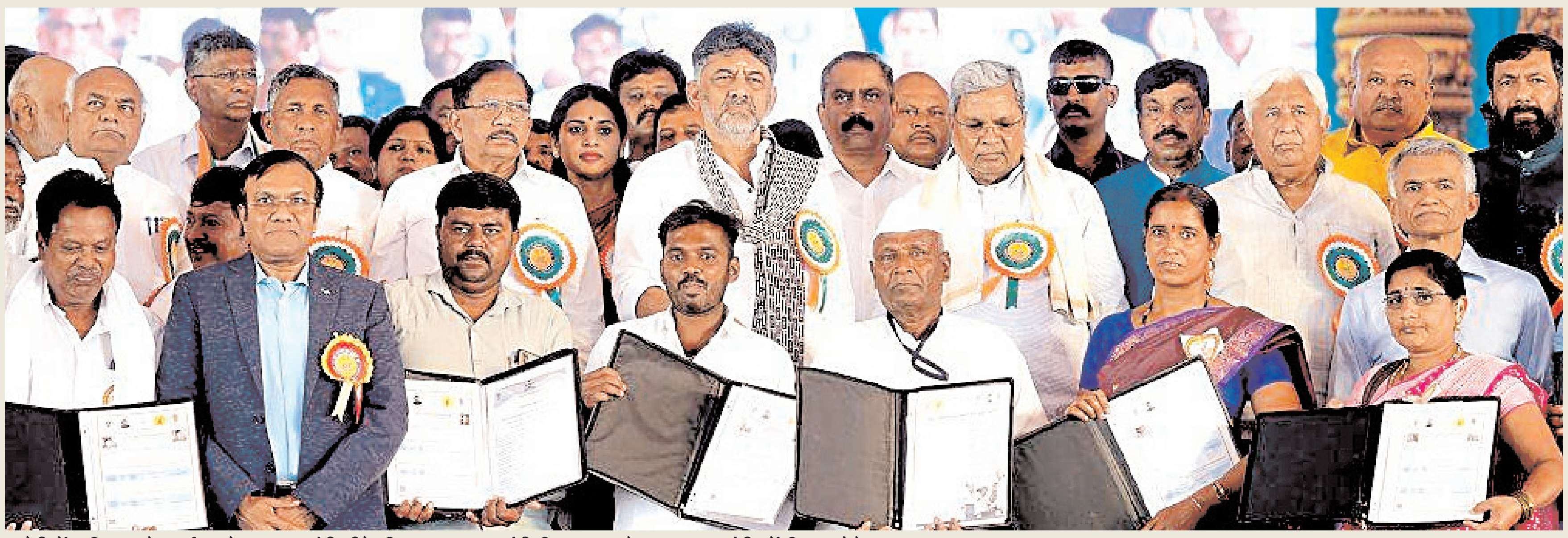

हावेरी में शनिवार को कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ 'भू गारंटी' में हिस्सा लेते हुए।

सरकार के हजार दिन के कामकाज में जनहितैषी शासन की झलक दिखी : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं के वितरण और आर्थिक विकास में रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में उनके 1,000 दिन समावेशी विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता दर्शाते हैं।

सिद्दरामय्या ने सरकार के 1,000 दिन पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह और जिला प्रशासन एवं राजस्व विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसके तहत एक लाख लाभार्थियों को संपत्ति के स्वामित्व दस्तावेज वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, हम राजस्व विभाग के माध्यम से दूसरी बार एक लाख लाभार्थियों को संपत्ति के स्वामित्व दस्तावेज वितरित कर रहे हैं। अब तक हमने 2.22 लाख परिवारों को स्वामित्व दस्तावेज वितरित करके एक रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने अपने दावे को पुष्ट करने के लिए आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा, हमारी जनहितैषी सरकार ने ही राज्य की जीडीपी को देश में पहले स्थान पर पहुंचाया है। जीएसटी कर संग्रह में भी राज्य रिकॉर्ड गति से आगे बढ़ रहा है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि उनकी सरकार ने दो साल और नौ महीने पूरे कर लिए हैं। उन्होंने दावा किया, किए गए 590 वादों में से हमने 243 वादे पूरे किए हैं। शेष वादे भी कार्यकाल में पूरे कर लिए जाएंगे। उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि 2013-18 के दौरान भी कांग्रेस सरकार ने सभी वादे पूरे किए और घोषणापत्र में उल्लिखित नहीं किए गए 30 अतिरिक्त वादे भी लागू किए, जिससे वादे को अमल में लाने का रिकॉर्ड बना। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक गारंटी योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकार ने राज्य के लोगों को 1.18 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाया है। सिद्दरामय्या ने कहा, हमारी सरकार ने सफलतापूर्वक 1,000 दिन पूरे कर लिए हैं। केवल कांग्रेस सरकार ही वादे को अमल में लाती है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार सभी जातियों, धर्मों और भाषाओं के लोगों के लिए समावेशी विकास में विश्वास करती है और असमानता को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सिद्दरामय्या ने कहा, सरकार ने 13 फरवरी को 1,000 दिन पूरे कर लिए हैं। इन 1,000 दिनों के दौरान आयोजित हमारा उपलब्धि समारोह हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम गरीबों, दलितों, पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और श्रमिकों के साथ खड़े हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य की वित्तीय स्थिति की समीक्षा के बाद जिलों की मांगों पर ध्यान दिया जाएगा।

राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा की प्रशंसा करते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि उनके कार्यभार संभालने के बाद से विभाग में क्रांतिकारी प्रगति हुई है। भाजपा पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्ता में रहते हुए अपने वादे पूरे करने में विफल रही यह पार्टी राज्य के खजाने के खाली होने का दुष्प्रचार कर रही है।

अमर्त्य सेन और अभिजीत बनर्जी जैसे अर्थशास्त्रियों के विचारों के साथ-साथ समाचार पत्रों और विश्वविद्यालयों द्वारा किए गए अध्ययनों का हवाला देते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि भाजपा द्वारा जनता को गुमराह करना निंदनीय है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2019 से 2023 तक राज्य में सत्ता में रहने के दौरान चार वर्षों तक कुछ भी नहीं किया। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार पर्याप्त अनुदान ना देकर राज्य के साथ अन्याय कर रही है। हमारे 1,000 दिनों का सफल शासन हमारी जनहितैषी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि केंद्र द्वारा किए गए अन्याय के बावजूद ये उपलब्धियां हासिल की गई हैं। वित्तीय अन्याय का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य के साथ वित्तीय अन्याय किया है। जीएसटी मुआवजे में कमी के कारण राज्य को 12,000 करोड़ से 15,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। सिद्दरामय्या ने कहा, हमें हमारा उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है। जल जीवन मिशन के तहत 15,000 करोड़ रुपये अभी तक जारी नहीं किए गए हैं। अगर यह अनुदान उपलब्ध कराया जाता है, तो राज्य भर में कई विकास कार्य शुरू किए जा सकते हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान सांसद बसवराज बोम्मई, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और भाजपा नेता जगदीश शेट्टार पर राज्य के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ दिल्ली में आवाज तक ना उठाने का आरोप लगाया। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, मंत्रीगण, विधायक और अन्य नेता उपस्थित थे।

एनएसआईएल बेंगलूरु स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप 'गैलेक्सआई' के उत्पादों की बिक्री करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नईदिल्ली। अंतरिक्ष विभाग की वाणिज्यिक इकाई 'न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड' (एनएसआईएल) बेंगलूरु स्थित निजी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी 'गैलेक्सआई' के उत्पादों की बिक्री करेगी जिनमें उन्नत उपग्रह इमेजरी समाधान भी शामिल हैं। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इस संबंध में दोनों संस्थाओं के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। समझौते में शामिल उत्पादों में 'सिंकफ्यूज्ड ऑप्टो-सार' डेटा उत्पाद भी शामिल हैं जिन्हें कृषि, आपदा प्रबंधन और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सटीक जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।

गैलेक्सआई स्पेस के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुयश सिंह ने कहा, एनएसआईएल के साथ सहयोग हमें देश की रणनीतिक और विकासात्मक प्राथमिकताओं में योगदान देने के साथ उपयोगकर्ताओं के एक बड़े समूह तक उन्नत 'अर्थ ऑब्जर्वेशन' क्षमताएं पहुंचाने में मदद करेगा। अधिकारियों ने कहा कि इस समझौते के साथ 'गैलेक्सआई' डेटा पुनर्विक्रय साझेदारी के तहत एनएसआईएल के साथ औपचारिक रूप से जुड़ने वाली पहली निजी भारतीय उपग्रह संचालक बन गई है।

एक अधिकारी ने कहा, यह समझौता भारत की अंतरिक्ष नीति में एक मील का पत्थर है, जहां सरकारी निकाय और निजी उद्यम नवाचार को बढ़ावा देने, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और अंतरिक्ष क्षेत्र में सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

ग्राहकों के 3.5 करोड़ रुपये के सोने को गिरवी रखने के आरोप में बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में विभिन्न ग्राहकों के 2,780 ग्राम सोने के गहनों का दुरुपयोग करने और उन्हें अनधिकृत रूप से गिरवी रखने के आरोप में एक बैंक के उप प्रबंधक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, इन गहनों की कीमत 3.5 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है।

पुलिस ने बताया कि यह कथित धोखाधड़ी का मामला तब सामने आया जब बैंक के मुख्य प्रबंधक ने पांच फरवरी को गिरिनगर थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत का हवाला देते हुए कहा कि आरोपी ने कथित तौर पर उच्च अधिकारियों को सूचित किए बिना बैंक के लॉकर से ग्राहकों के 2,780 ग्राम सोने के आभूषण निकाले और उन्हें एक वित्त कंपनी में गिरवी रख दिया।

पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान अधिकारियों को प्रथम दृष्टया ऐसे सबूत मिले हैं जिनसे यह संकेत मिलता है कि आरोपी ने धोखाधड़ी से मिली इस रकम को ऑनलाइन सट्टेबाजी में खर्च कर दिया था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) लोकेश बी जगलासर ने कहा, इस मामले में बैंक के आरोपी उप प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया गया है। हम सोना बरामद करने का प्रयास कर रहे हैं और अब तक लगभग 700 ग्राम सोना बरामद किया जा चुका है।

अधिकारी ने कहा, हमें वित्तीय कंपनियों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। हम अदालत का रुख करेंगे और उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई शुरू करेंगे। मामले की जांच जारी है। पुलिस ने ग्राहकों को भी सलाह दी है कि वे बैंक लॉकरों में रखे अपने आभूषणों की सुरक्षा और स्थिति का जांच करें।

तैयारी

चिकमगलूर में शनिवार को महाशिवरात्रि की तैयारियां करते भक्त।

'निसार' उपग्रह देशभर में हर 13 दिन में भूमि में नमी का डेटा उपलब्ध कराएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि 'निसार' (एनआईएसएआर) उपग्रह भारतीय भूभाग की एस और एल बैंड के जरिये व्यवस्थित रूप से निगरानी कर रहा है ताकि हर 12 दिन बाद उच्च-रिजॉल्यूशन के साथ विस्तृत क्षेत्र का डेटा प्राप्त किया जा सके। इस डेटा का प्रभावी ढंग से उपयोग 100 मीटर के उच्च रिजॉल्यूशन के साथ मृदा संबंधी नमी की जानकारी को दर्शाने में किया गया है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि फसलों की गुणवत्ता, सिंचाई की जरूरतों और सूखे के जोखिम के प्रमुख संकेतक के रूप में, मृदा की नमी भारत में कृषि और जल प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसरो के एक बयान के अनुसार, एस और एल बैंड से प्राप्त डेटा का उपयोग करके प्रदर्शित की गई मृदा-आर्द्रता से जुड़ी जानकारी भारत के विविध कृषि-जलवायु क्षेत्रों 'सिंचित मैदानों और वर्षा आधारित खेतों से लेकर अर्ध-शुष्क और उच्च वर्षा वाले क्षेत्रों तक' में सुसंगत अनुमान प्रदान करने में सहायता करती है।

इसमें कहा गया है कि अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी-आईएसआरओ) में विकसित भौतिकी-आधारित मृदा आर्द्रता पुनर्प्राप्ति एल्गोरिदम वैज्ञानिक मजबूती, विश्वसनीयता और परिचालन सटीकता सुनिश्चित करता है। इसरो ने कहा, ''हर 12 दिनों में दो अवलोकन प्रदान करने की क्षमता के साथ, नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार' (एनआईएसएआर) मृदा में नमी की गतिशीलता की लगभग वास्तविक समय में निगरानी करने में सक्षम है। यह नियमित निगरानी सिंचाई योजना, सूखे से निपटने की तैयारी, कृषि-मौसम संबंधी सलाह और क्षेत्रीय जल संसाधन प्रबंधन में जिलों और कृषि समुदायों के लिए प्रासंगिक रूप से सहायता करती है।'' नासा अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी का नाम है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि राष्ट्रीय कार्यों का समर्थन करने के लिए 100 मीटर के आधार लेवल-चार स्तर का मिट्टी में नमी संबंधी डेटा राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र में व्यवस्थित रूप से तैयार किया जाएगा और भूनिधि पोर्टल के माध्यम से देश भर के किसानों, योजनाकारों, शोधकर्ताओं, सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं को आसानी से उपलब्ध कराया जाएगा। भमि में नमी को हर 12 दिन में दो बार मापा जाएगा।

मुलाकात

बेंगलूरु में शनिवार को कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार से उनके घर पर मुलाकात की।

सोशल मीडिया पर प्रसारित फर्जी संदेश को लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय की शिकायत के बाद मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में सोशल मीडिया पर प्रसारित उस फर्जी संदेश के सिलसिले में मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की शिकायत के बाद पुलिस ने शुक्रवार को एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया, जिसमें मांड्या में एक जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी को मैसूरु में आबकारी उपायुक्त के रूप में तैनात किए जाने का झूठा दावा किया गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय ने शिकायत में आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए दावा किया है कि यह कृत्य मुख्यमंत्री और राज्य सरकार को बदनाम करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से किया गया है।

अधिकारियों के मुताबिक, शिकायत के आधार पर विधान सौध पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 336(3) (जालसाजी) और 340(2) (जाली दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख तैयार करना और उनका वास्तविक रूप में इस्तेमाल करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सिद्दरामय्या ने बाद में 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, यह एक निंदनीय और बेहद गंभीर अपराध है कि कुछ शरारती तत्वों ने मेरे कार्यालय से फर्जी नोट बनाकर सोशल मीडिया पर फैलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके कार्यालय के अधिकारियों ने शिकायत दर्ज करा दी है और पुलिस दोषियों को ढूंढ़कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी।

उन्होंने कहा, सोशल मीडिया यूजर्स को ऐसी फर्जी खबरों पर विश्वास करने और उन्हें साझा करने से पहले सावधान रहना चाहिए। मौजूदा समय में फोटोशॉप/एआई युग में व्हाट्सऐप की जानकारी को उसकी प्रामाणिकता की पुष्टि किए बिना साझा करना भी एक अपराध है। मुख्यमंत्री ने कहा, हम सकारात्मक आलोचना के लिए तैयार हैं लेकिन झूठी खबरों के प्रसार को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

बेंगलूरु में शनिवार को पूर्व भारतीय क्रिकेटर राहुल द्रविड़ को बेंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम परिसर में 50 शानदार साल पूरे होने पर आयोजित एक इवेंट के दौरान सम्मानित किया।

निर्वाचन आयोग ने प्रताप सिंह को तमिलनाडु का विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया

चेन्नई। निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव के संबंध में शुक्रवार को पूर्व आईआरएस अधिकारी प्रताप सिंह को राज्य के लिए विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया। वह आयोग के निर्देशों के अनुसार जारी मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की भी सख्ती से निगरानी करेंगे। निर्वाचन आयोग के अवर सचिव एम एल मीणा ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि सिंह एसआईआर का निरीक्षण करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए समय-समय पर तमिलनाडु का दौरा करेंगे। आयोग ने सिंह को निर्देश दिया कि वह विशेष पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करते समय निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी या किसी अन्य चुनाव अधिकारी को किसी भी प्रकार का प्रशंसा पत्र जारी न करें।

इरिडियम व्यापार के नाम पर धोखाधड़ी के अंतर-राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

कोयंबटूर। तमिलनाडु पुलिस की सीबी-सीआईडी ने इरिडियम व्यापार के नाम पर धोखाधड़ी के अंतर-राज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। उन पर आरबीआई अधिकारी होने का दावा कर लोगों से 5.65 करोड़ रुपये ठगने का आरोप है।

पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस गिरोह ने फर्जी साक्षात्कार और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करते हुए एक सुनियोजित रणनीति के जरिए विभिन्न राज्यों में कम से कम 23 लोगों को निशाना बनाया।

सीबी-सीआईडी के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब कोयंबटूर के एक पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई कि इरिडियम व्यापार का कारोबारी बताकर कुछ लोगों ने उससे तीन करोड़ रुपये ठग लिये। पीड़ित को बताया गया था कि आरबीआई में कई करोड़ रुपये जमा हैं, जिन्हें 10 लाख रुपये प्रोसेसिंग शुल्क के भुगतान पर जारी कर दिया जाएगा। प्रारंभिक भुगतान के बाद, पीड़ित को नयी दिल्ली ले जाया गया, जहां उसकी मुलाकात उन व्यक्तियों से हुई जिन्होंने आरबीआई के विदेशी मुद्रा विभाग का अधिकारी होने का दावा किया।

कोयंबटूर सिलसिलेवार बम धमाके देश के इतिहास का 'काला और दर्दनाक' अध्याय : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि 1998 के कोयंबटूर सिलसिलेवार बम धमाके देश के इतिहास का 'एक काला और दर्दनाक'' अध्याय था जिसने अनगिनत परिवारों को गहरे जख्म दिये हैं। उन्होंने कोयंबटूर में 14 फरवरी, 1998 को हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, ''यह हमारे राष्ट्र के इतिहास में एक काला और दर्दनाक अध्याय था।'' उपराष्ट्रपति ने कहा, ''उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन लालकृष्ण आडवाणी कोयंबटूर के दौरे पर थे तभी भयानक सिलसिलेवार धमाकों ने शहर को हिलाकर रख दिया था और अनगिनत परिवारों को गहरे जख्म दिए थे। उस समय व्याप्त डर, दुख और अनिश्चितता का माहौल मेरी स्मृति में आज भी ताजा है।''

कोयंबटूर के निवासी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''उन धमाकों में से एक में मैं बाल-बाल बचा था।'' उपराष्ट्रपति ने कहा, ''वे खौफनाक पल, जब हमने घायलों को बचाने के लिए संघर्ष किया और गंभीर रूप से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वह घटना, मेरे जीवन के सबसे दर्दनाक पल के रूप में आज भी ताजा है।'' उन्होंने उन शोक संतप्त परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त की।

अंग्रेजी और तमिल भाषा में साझा किए गए अपने संदेश में उपराष्ट्रपति ने कहा, आइए हम आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहने और शांति, सद्भाव तथा राष्ट्रीय अखंडता को बनाए रखने के अपने सामूहिक संकल्प को दोहराएं। पीड़ितों को श्रद्धांजलि देते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''इस्लामी आतंकवादियों ने 11 स्थानों को निशाना बनाया था, उनका उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता आडवाणी जी की जनसभा में व्यवधान डालना और निर्दोष नागरिकों का कत्ल करना था। इस घटना को हर साल काले दिन' के रूप में मनाया जाता है। आज बम विस्फोट की 28वीं बरसी पर, मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना और जीवित बचे लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करता हूं।''

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने कहा कि 28 साल बाद भी उस भयावह घटना की पीड़ा लोगों के मन से नहीं मिटी हैं। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''आइए हम संकल्प लें कि भारत में धार्मिक घृणा के कारण ऐसी अत्याचारपूर्ण घटनाएं फिर कभी न हों।''

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा, ''1998 में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शासन के दौरान आज ही के दिन आतंकवादियों द्वारा किए गए विस्फोटों में 58 लोगों की जान गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। वह जख्म आज भी हरे हैं।'' उन्होंने द्रमुक पर आरोप लगाया कि उसने कोयंबटूर बम विस्फोट के दोषियों को सजा पूरी होने से पहले रिहा करके हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों के साथ 'विश्वासघात' किया है।

कुंभलगढ़ आने वाला प्रत्येक टूरिस्ट दुर्ग तक पहुंचे, यह हमारा दायित्व : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शनिवार को कुंभलगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने कुंभलगढ़ दुर्ग तथा चित्तौड़गढ़ दुर्ग के संरक्षण, संवर्धन और आवश्यक विकास कार्यों को लेकर केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), पर्यटन विभाग तथा जिला प्रशासन राजसमंद एवं चित्तौड़गढ़ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक ली। एएसआई ने दोनों दुर्गों पर गत वर्षों में किए गए महत्वपूर्ण संरक्षण एवं विकास कार्यों तथा वर्तमान चुनौतियों से मंत्री शेखावत को प्रेजेंटेशन के माध्यम से अवगत कराया। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने कुंभलगढ़ दुर्ग पर पर्यटकों के लिए आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया। विशेष रूप से उनका जोर इस बात पर रहा कि अगर दुर्ग पर पार्किंग से लेकर शिकार तक पर्यटकों की पहुँच आसान नहीं होगी तो फ़ूटफ़ॉल नहीं बढ़ सकेगा।

उन्होंने दुर्ग परिसर में ऊपर तक समुचित पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने, पार्किंग स्थल से दुर्ग के ऊपरी भाग तक पर्यटकों की सुविधा हेतु इलेक्ट्रिक कार्ट संचालित करने तथा महाराणा प्रताप की जन्मस्थली पर आवश्यक एवं स्पष्ट साइनेज, तस्वीरें लगाने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक स्मारक से संबंधित ऐतिहासिक एवं तथ्यात्मक जानकारी को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराकर क्यूआर कोड के माध्यम से प्रदर्शित करने को कहा, ताकि पर्यटक डिजिटल माध्यम से प्रामाणिक जानकारी प्राप्त कर सकें।

जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा को पार्किंग संबंधी समस्या का स्थायी समाधान निकालने के निर्देश देते हुए मंत्री ने कहा कि पर्यटक सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। दुर्ग क्षेत्र में अतिक्रमण और अवैध निर्माण को लेकर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मंत्री ने पर्यटन संयुक्त निदेशक सुमिता सरोच से होटल एवं रिसॉर्ट्स तथा दुर्ग के वर्तमान फुटफॉल के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। दुर्ग पर पर्यटकों की अपेक्षाकृत कम संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक ईज ऑफ ट्रैवल सुनिश्चित नहीं होगा, तब तक पर्यटक दुर्ग तक नहीं पहुंचेंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कुंभलगढ़ आने वाला प्रत्येक पर्यटक दुर्ग अवश्य पहुंचे, यह प्रशासन और पर्यटन विभाग की सामूहिक जिम्मेदारी है। होटल एवं रिसॉर्ट्स से पर्यटकों का डेटा संकलित कर विश्लेषण करने के निर्देश भी दिए गए, ताकि पर्यटन रणनीति को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। दुर्ग पर पर्यटन गतिविधियों को जीवंत बनाने के उद्देश्य से पपेट शो, फोक म्यूजिक कार्यक्रम एवं हेरिटेज वॉक प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए।

साथ ही सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का विशेष टूर आयोजित करने तथा फोटोग्राफी प्रतियोगिता कराने को कहा गया, जिससे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दुर्ग की दृश्यता बढ़ाई जा सके। मंत्री ने दुर्ग परिसर में इमर्सिव जोन विकसित करने के भी निर्देश दिए, जिससे पर्यटकों को ऐतिहासिक अनुभव आधुनिक तकनीक के माध्यम से आकर्षक रूप में मिल सके।

चित्तौड़गढ़ दुर्ग को लेकर भी शेखावत ने व्यापक समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दुर्ग है और यहां आने वाले पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिलना चाहिए। दुर्ग पर ट्रैफिक जाम की समस्या का शीघ्र निराकरण करने तथा एएसआई को लंबित सभी विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। सूरजपोल के पाथ-वे का कार्य इसी वर्ष हर हाल में पूर्ण करने, मृगवन की क्षतिग्रस्त दीवार की मरम्मत कराने तथा पद्मिनी पैलेस में इंटरप्रिटेशन सेंटर के कार्य को गति देने पर भी विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि ये धरोहरें हमारी अस्मिता, गौरव और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक हैं। इनका संरक्षण सर्वोपरि है और विकास कार्यों में गुणवत्ता, समयबद्धता तथा पर्यटक सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

पाकिस्तान के खिलाफ टीम इंडिया जरूर जीतेगी : अरुण चतुर्वेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान वित्त आयोग के चेयरमैन अरुण चतुर्वेदी ने श्रीलंका के कोलंबो में 15 फरवरी को होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर कहा कि भारतीय टीम के साथ पूरे देश की दुआएं हैं। हमें पूर्ण भरोसा है कि भारतीय टीम पाकिस्तान को हराकर विजय हासिल करेगी। जयपुर में बातचीत में अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि टी-20 विश्व कप में भारत के साथ पहले पाकिस्तान ने खेलने से इनकार कर दिया था। पाकिस्तान की जितनी भी आतंकवादी ताकतें हैं, उनके दबाव में आकर पाकिस्तान ने ये फैसला किया था। लेकिन, आईसीसी के नियमों को मानना ही पड़ेगा। इसीलिए, अब पाकिस्तान भारत के साथ खेलने के लिए मजबूरन तैयार हुआ है। पाकिस्तान अगर नहीं खेलता तो उसके क्रिकेट बोर्ड को ही नुकसान होता। उन्होंने कहा कि भारत की टीम देश के लिए खेलेगी और निश्चित रूप से उनसे विजयी होकर आएगी। देश के 140 करोड़ भारतीयों की भावनाएं उनके साथ हैं। उन सभी भावनाओं से निश्चित उन्हें बल मिलेगा। राजस्थान वित्त आयोग के चेयरमैन अरुण चतुर्वेदी ने डीयू में हुए बवाल पर कहा कि जो लोग यूजीसी गाइडलाइंस का विरोध कर रहे हैं, मेरा बस इतना कहना है कि जो भी मामला सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में आया है, सभी पार्टियों को सुनने के बाद उन्होंने एक कमेटी बनाई है और डिटेल में सुनवाई के लिए तारीख दी है। इसलिए, हमें नतीजे का इंतजार करना चाहिए। लेकिन, जिस तरह से डीयू में महिला यूट्यूबर के साथ बर्ताव किया गया है, यह पूर्ण रूप से गलत है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर राहुल गांधी पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के बयान पर अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि हम सभी जानते हैं किसानों के साथ जो भी समझौते कांग्रेस के कार्यकाल में हुए, कांग्रेस ने किसानों के हितों को बेचने का काम किया। पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में बड़ी संख्या में किसान जिन चीजों का उत्पादन करते हैं, उसे संरक्षित करने का काम किया गया है।

राहुल गांधी कन्फ्यूजन पैदा करना चाहते हैं, अराजकता पैदा करना चाहते हैं। सेवा तीर्थ को लेकर अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि जब हम नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक जाते थे तो ऐसा प्रतीत होता था कि अंग्रेजों के वातावरण में शासन कर रहे थे। प्रधानमंत्री कार्यालय सेवा तीर्थ हो गया है, यह हमारे देश के लिए गौरव की बात है।

राज्यपाल ने तप, अहिंसा, अपरिग्रह आदि आदर्शों को आत्मसात करने का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े शनिवार को साध्वी डॉ. कुमुद लता जी महाराज के सानिध्य में आयोजित 'शांति एवं सद्भाव अनुष्ठान' में सम्मिलित हुए। उन्होंने महासती डॉ. कुमुद लता को प्रणाम निवेदित करते हुए उनका आशीर्वाद लिया। बागड़े ने इस दौरान कहा कि जैन धर्म नहीं संस्कृति है। उन्होंने जैन धर्म के तप, अहिंसा, अपरिग्रह आदि आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि साधुसाध्वियों के पुण्य प्रताप से ही भारत की धर्मधरा सदा ज्ञान में संपन्न और समृद्ध रही है। उन्होंने 'शांति एवं सद्भाव अनुष्ठान' को भारतीय संस्कृति की महान परंपरा बताया।

राज्यपाल ने कहा कि अनुष्ठान क्रियाकांड नहीं, बल्कि स्वयं को एक अनुशासन में ढालना है। उन्होंने मनुष्य के उत्कर्ष और कल्याण के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि ज्ञान केवल सूचनाओं का संग्रह नहीं है, बल्कि ज्ञान वह है जो जीवन को प्रकाशित कर दे। उन्होंने साध्वी डॉ. कुमुद लता जी के जीवन को प्रेरणादायक बताते हुए समाज और धर्म के लिए श्रेष्ठ कार्य करने वाले जनों का अभिनंदन भी किया।

अगले सप्ताह हल्की बारिश की संभावना

जयपुर। एक नये पश्चिमी विक्षोभ के असर से अगले सप्ताह राजस्थान के कुछ इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटे के दौरान राजस्थान में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान बाड़मेर में 33.0 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान फतेहपुर (सीकर) में 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जयपुर के मौसम विज्ञान केंद्र के प्रवक्ता ने कहा कि राज्य में आगामी दो-तीन दिन मौसम शुष्क रहने की संभावना है। वहीं, एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के कारण 17 व 18 फरवरी को राज्य में कहीं-कहीं तेज हवाएं चलने और हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं, राज्य में आगामी तीन-चार दिन तापमान में आंशिक रूप से बढ़ोतरी होने की संभावना है।

जयपुर के पास सड़क हादसे में एक महिला समेत पांच की मौत

जयपुर। जयपुर के निकट शनिवार तड़के भीषण सड़क हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच चाकसू में कोटा-जयपुर राजमार्ग पर टिगरिया मोड़ के पास हुआ जब एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी। थाना प्रभारी मनोहर लाल ने बताया कि हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चार लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि एक अन्य घायल ने बाद में दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों की संख्या पांच हो गई। लाल ने बताया कि मृतकों की पहचान मध्यप्रदेश के जबलपुर निवासी रेशमा श्रीवास्तव, पीयूष राय, रजक राहुल और चालक अनुराग के रूप में हुई है, जबकि एक व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

योजना में अनियमितताओं के मामले में सात चिकित्सक निलंबित

जयपुर। राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना में कथित अनियमितताओं के लिए सात चिकित्सकों को निलंबित कर दिया गया और एक निजी अस्पताल व एक डायग्नोस्टिक सेंटर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि योजना में ऑडिट के दौरान अनियमितताएं सामने आने पर सीकर जिले में तैनात सात चिकित्सकों को निलंबित किया गया है। उन्होंने बताया कि जिन चिकित्सकों को निलंबित किया गया, उनमें सीकर के मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कार्यरत अस्थि रोग विभाग के सह आचार्य डॉ. कमल कुमार अग्रवाल व डॉ. सुनील कुमार ढाका एवं जनरल मेडिसिन विभाग के सह आचार्य डॉ. मुकेश वर्मा, किरवा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. राकेश कुमार, एसके अस्पताल के डॉ. गजराज सिंह, डॉ. एसएस राठौड़ और डॉ. सुनील शर्मा शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि योजना में अनियमितता कर अनुचित लाभ लेने पर भरतपुर के भरतपुर नर्सिंग होम और बीकानेर के बोथरा डायग्नोस्टिक एंड इमेजिंग सेंटर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी। 'राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरजीलाल अटल ने बताया कि जांच रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया कि भरतपुर स्थित कशिश फार्मेसी एवं भरतपुर नर्सिंग होम द्वारा मिलीभगत कर योजना में फर्जीवाड़ा कर राजकोष को भारी हानि पहुंचाई गयी। उन्होंने बताया कि दोनों संस्थानों ने मिलीभगत कर लाभार्थियों के नाम पर फर्जी बिल तैयार कर दावे मंजूर कराने की कोशिश की, जिससे प्रत्यक्ष रूप से राजकोष को हानि पहुंची।

अनार, अंजीर व खजूर जैसे फलों से प्रदेश की बन रही नई पहचान : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि पहले प्रदेश सूखाग्रस्त व रेतीले धोरों के रूप में जाना जाता था और अब कृषि वैज्ञानिक व काश्तकारों की लगन और कड़ी मेहनत के चलते अनार, अंजीर व खजूर जैसे फलों की बेहतरीन पैदावार कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब गाजर की प्रचुर मात्रा दूसरे शहरों में निर्यात की जा रही है और मूंगफली की भी बेहतरीन पैदावार यहां हो रही है। ऐसे में मंडी स्थापित होने पर किसानों को काफी फायदा होगा। जोगाराम पटेल शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में नाबार्ड, इफको व आत्मा (कृषि विभाग) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित वृहद कृषि विज्ञान मेले में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल से धरती बीमार हो रही है, इस समस्या को देखते हुए कृषि वैज्ञानिक जैविक उर्वरकों के नए विकल्प दे रहे हैं। विकसित भारत की संकल्पना को साकार करना है तो स्वास्थ्य एवं गुणवत्ता को प्रमुखता देते हुए किसान जैविक खेती को अपनाएं।

पटेल ने कहा किसान अपने खेतों में डिग्गीपौंड की अवधारणा को अपनाएं, इससे फसल को दोगुना फायदा होगा। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे खेती में नए अनुप्रयोग व सरकार की लाभकारी योजनाओं का फायदा लेकर कृषि को अपनाएं। किसान की समृद्धि से ही प्रदेश व देश की आर्थिक उन्नति संभव है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद किसान आयोग के अध्यक्ष सी आर चौधरी ने कहा उन्नत खेती को अपनाने का संदेश हर गांवढाणी में जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बेरोजगारी को कम करने में सबसे बेहतर उपाय कृषि है। उन्होंने कहा कि किसान फसलों में गुणवत्ता बढ़ाये, अन्यथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पाद स्वीकार्य नहीं होंगे। जैविक उत्पादों की बाजार में तेजी से मांग है, किसान इस पर कार्य करें। इस दौरान मेले की स्मारिका व विश्वविद्यालय के विभिन्न वैज्ञानिकों की ओर से तैयार प्रकाशनों का विमोचन भी अतिथियों ने किया। कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल सहित कृषि में नवाचार व उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों का सम्मान भी किया गया।

बजट से मिलेगी प्रदेश के समग्र विकास को गति : हेमंत मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य बजट 202627 को लेकर राजस्व मंत्री हेमंत मीणा द्वारा जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। मंत्री हेमंत मीणा ने राज्य बजट में प्रदेश एवं जिले को दी गई सौगातों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार राजस्थान को विकसित राज्य बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने बताया कि बजट 2026-27 राजस्थान के समग्र एवं सतत विकास को सुनिश्चित करेगा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत2047 के विजन को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि यह बजट 8 करोड़ प्रदेशवासियों के प्रति हमारे कर्तव्यों का दस्तावेज है। बजट 2026-27 महिला, युवा, मजदूर, वंचित, किसान सहित सभी वर्गों के कल्याण को समर्पित है।

बजट में आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण, बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुविधाओं और सेवाओं के प्रावधान किए गए हैं। जिससे राजस्थान विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 के बजट का आकार 6 लाख 10 हजार 956 करोड़ रुपये है, जो वर्ष 2023-24 के बजट की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है। बजट 2026-27 अवसंरचना का विस्तार, नागरिक सुविधाओं से गुणवत्तायुक्त जीवन स्तर में वृद्धि, औद्योगिक विकास एवं निवेश को प्रोत्साहन, मानव संसाधन का सशक्तीकरण, सुदृढ़ सामाजिक सुरक्षा प्रणाली, पर्यटन, कला एवं सांस्कृतिक धरोहर, सुशासन एवं डिजिटल परिवर्तन, कृषि विकास एवं किसानों का कल्याण, पशुपालन एवं डेयरी, हरित विकास एवं पर्यावरणीय सततता और 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के मजबूत स्तम्भों पर आधारित है।

बजट के अनुसार राज्य की राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 21 लाख 52 हजार 100 करोड़ रुपये होना संभावित है, जो 2023-24 से लगभग 41 प्रतिशत अधिक है। इसी के साथ ही प्रतिव्यक्ति आय पहली बार 2 लाख 2 हजार से अधिक होना संभावित है, जो 2023-24 से 21.15 प्रतिशत अधिक है। इस बजट में इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट के लिए पूंजीगत व्यय 53 हजार 978 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जो 2023-24 से 2 गुना से अधिक है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रस्तुत राज्य बजट 2026-27 में वित्त मंत्री द्वारा प्रतापगढ़ जिले के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं।

पावरग्रिड ने राजस्थान में नयी पारेषण लाइन शुरू की

जयपुर। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) ने राजस्थान में 765 केवी रामगढ़-भादला पारेषण लाइन और रामगढ़ विद्युत उपकेंद्र का संचालन शुरू कर दिया है। कंपनी ने यहां एक बयान में कहा कि 765/400/220 केवी रामगढ़ उपकेंद्र और 765 केवी डी/सी रामगढ़-भादला पारेषण लाइन को बृहस्पतिवार को शुरू किया गया। कंपनी के अनुसार यह परियोजना राजस्थान के जैसलमेर एवं रामगढ़ क्षेत्रों के सौर पार्कों से उत्पादित बिजली को राष्ट्रीय ग्रिड तक पहुंचाने के लिए 'ग्रीन एनर्जी हाईवे' के रूप में काम करेगी। बयान में कहा गया है कि इस लाइन के शुरू होने से न केवल राजस्थान की बिजली पारेषण क्षमता में वृद्धि होगी बल्कि यह देश के नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को 500 जीडब्ल्यू तक ले जाने के लक्ष्य में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । परियोजना के तहत रामगढ़ में 4,000 एमवीए क्षमता का नया उपकेंद्र बनाया गया है।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं की अहम भूमिका : संजय शर्मा

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शनिवार को राजऋषि अभय समाज संस्था के परिसर में राजस्थान ब्राह्मण महासभा, जिला अलवर के तत्वावधान में आयोजित रोजगार मेले में शिरकत की। वन राज्यमंत्री शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित राष्ट्र के संकल्प को पूरा करने में युवाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण महासभा ने रोजगार मेले का आयोजन कर एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिससे सभी वर्गों के बालक-बालिकाओं को इस मंच के माध्यम से रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि सभी समाजों को आगे आकर इस प्रकार के आयोजन करने चाहिए, जिससे हमारी युवा पीढी देश के नवनिर्माण में अपनी भूमिका निभा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरन्तर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा युवाओं में कौशल विकास को दृष्टिगत रखते हुए कार्य किए जा रहे हैं, जिससे युवा ना केवल स्वयं रोजगार प्राप्त करें, बल्कि अन्य युवाओं को रोजगार प्रदान कर देश के विकास को गति प्रदान में अपनी सहभागिता निभा सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने पुल, आईआईएम और डेटा केंद्र का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को असम में कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें ब्रह्मपुत्र नदी पर बना एक पुल, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) गुवाहाटी और पूर्वोत्तर क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने वाला एक डेटा केंद्र शामिल है।

राज्य में इस साल प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले शुरू की गई इन परियोजनाओं का मकसद सम्पर्क में सुधार लाना, डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना और सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाना है। मोदी डिब्रूगढ़ के मोरान में एक आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) के साथ-साथ राज्य में 5,500 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन करने के लिए एक दिवसीय दौरे पर असम पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले ब्रह्मपुत्र नदी पर लगभग 3,030 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित छह लेन वाले 'कुमार भास्कर वर्मा सेतु' का उद्घाटन किया। यह पूर्वोत्तर का पहला 'एक्सट्राडोज्ड प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट पुल' है, जो गुवाहाटी को उत्तरी गुवाहाटी से जोड़ेगा।

'एक्सट्राडोज्ड प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट पुल' गर्डर और केबल-स्टे डिजाइन के मिश्रण वाली हाइब्रिड संरचना होती है, जिसके निर्माण में कम ऊंचाई वाले तोरण और केबल का इस्तेमाल किया जाता है, जो पुल के कंक्रीट ढांचे को अधिक मजबूती प्रदान करते हैं। 'कुमार भास्कर वर्मा सेतु' के उद्घाटन के बाद मोदी ने उस पर चहलकदमी की। इस मौके पर असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा उनके साथ थे।

यह पुल गुवाहाटी और उत्तर गुवाहाटी के बीच यात्रा का समय घटाकर महज सात मिनट कर देगा। जलुकबारी स्थित सरायघाट पुल फिलहाल राजधानी क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी के दोनों किनारों को जोड़ने वाला एकमात्र पुल है, जिससे गुवाहाटी और उत्तर गुवाहाटी के बीच की दूरी तय करने में लगभग 30 मिनट का समय लगता है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी बयान के मुताबिक, भूकंप के प्रति क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए 'कुमार भास्कर वर्मा सेतु' में 'फ्रिक्शन पेंडुलम बियरिंग' का इस्तेमाल करते हुए 'बेस आइसोलेशन' तकनीक को शामिल किया गया है।

'फ्रिक्शन पेंडुलम बियरिंग' एक उन्नत भूकंपरोधी तकनीक है, जो भूकंप के दौरान पेंडुलम के कार्य सिद्धांत पर अमल करते हुए इमारतों और पुलों की रक्षा करती है।

भाजपा हमेशा मुसलमानों के आर्थिक विकास की पक्षधर : भट्टाचार्य

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने शनिवार को कहा कि पार्टी मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर आरोप लगाया कि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी मुसलमानों के आर्थिक विकास को सुनिश्चित किए बिना उन्हें वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर रही है।

कोलकाता में पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा के सदस्यों को संबोधित करते हुए भाजपा से राज्यसभा सदस्य ने दावा किया कि आर्थिक विकास की कमी के कारण मुस्लिम युवाओं के एक वर्ग ने हिंसा का मार्ग अपनाया है। उन्होंने कहा, ''भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि अल्पसंख्यक समुदाय के गुमराह सदस्य जिन्होंने हथियारों और बम का सहारा लिया है, वे कलम और पेंसिल उठाएं और अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारें। हम उन्हें मुख्यधारा में लाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''राज्य में हाल में हुई हिंसा की सभी घटनाओं में समुदाय का एक वर्ग शामिल था। ये सभी घटनाएं राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा सीमा पार से संरक्षण प्राप्त एक छोटे से समूह की करतूत थीं। सत्ता में आने के बाद भाजपा ऐसा कभी नहीं होने देगी।''

भट्टाचार्य ने अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों से पश्चिम बंगाल में मुसलमानों की आर्थिक स्थिति की तुलना गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों में मुसलमानों की आर्थिक स्थिति से करने को कहा।

महिला सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है : मंत्री अन्नपूर्णा देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा राष्ट्रीय विकास की दिशा में पहला कदम है और यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अब नीति निर्माण और शासन के केंद्र में हैं।

कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और वे परिवारों, संस्थानों और राष्ट्र को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा, ''महिलाओं की सुरक्षा एक प्राथमिकता है, क्योंकि यह राष्ट्रीय विकास की नींव है। आज महिलाएं नीति निर्माण के केंद्र में हैं और निर्णय लेने में उनकी भागीदारी बढ़ रही है।'' अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि भारत ''अभूतपूर्व परिवर्तन'' के दौर से गुजर रहा है, जिससे महिलाओं के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के महिला-नेतृत्व वाले विकास के दृष्टिकोण ने देश के विकास मॉडल को नए आयाम दिए हैं, जिसमें महिलाएं सामाजिक परिवर्तन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, ''हमने महिला सशक्तीकरण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है, जिसमें सुरक्षा, अवसर, गरिमा और भागीदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया है।'' कार्यस्थल सुरक्षा उपायों पर प्रकाश डालते हुए अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए नोडल मंत्रालय के रूप में, यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है कि कंपनियां कानून का अनुपालन करें। 29 अगस्त, 2024 को शुरू किए गए 'शी-बॉक्स' पोर्टल ने कार्यस्थल पर उत्पीड़न की शिकायतों के निवारण के लिए संस्थागत तंत्र को मजबूत किया है।

असम में देश की पहली नदी के नीचे सड़क-सह-रेल सुरंग की मंजूरी ऐतिहासिक उपलब्धि : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि असम में देश की पहली नदी के नीचे सड़क-सह-रेल सुरंग के लिए केंद्र की मंजूरी एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने असम के गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच भारत की पहली 'अंडरवाटर ट्विन ट्यूब रोड-कम-रेल टनल' के निर्माण को 18,662 करोड़ रुपए की कुल पूंजी लागत से मंजूरी दे दी है। शर्मा ने ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे 15.79 किलोमीटर लंबी सुरंग सहित 33.7 किलोमीटर लंबे चार लेन के कॉरिडोर को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, असम के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि - भारत की पहली 'अंडरवाटर ट्विन ट्यूब रोड-कम-रेल टनल' को मंजूरी मिल गई है! 18,662 करोड़ रुपए की लागत से गोहपुर से नुमालीगढ़ (जिसमें ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे 15.79 किलोमीटर लंबी सुरंग भी शामिल है) तक 33.7 किलोमीटर लंबे चार लेन कॉरिडोर को मंजूरी देने के लिए नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले केंद्रीय मंत्रिमंडल का आभार।

प्रधानमंत्री ने असम के मोरान में वायुसेना के विमानों के हवाई करतब देखे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोरान (असम)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम के डिब्रूगढ़ जिले में आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) पर शनिवार को वायु सेना के लड़ाकू विमानों और परिवहन हेलीकॉप्टर के हवाई करतब देखे।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपनी तरह की पहली 4.2 किलोमीटर लंबी यह ईएलएफ मोरान में विकसित की गई है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री ने अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान किया। बीस मिनट से अधिक समय के हवाई करतब के दौरान वायुसेना के पायलटों ने मोरान बाईपास स्थित ईएलएफ से सटीक उड़ान भरी और यहां उतरे।

अवरोधक के पीछे कतार में खड़े स्थानीय लोग इस कार्यक्रम को देखने के लिए काफी उत्साहित नजर आ रहे थे। सबसे पहले सुखोई-30 एमकेआई और उसके बाद राफेल विमान ने उड़ान भरी। थोड़ी दूरी के साथ उड़ान भरने वाले ये दोनों विमान उड़ान भरने के बाद तुरंत मिशन या युद्ध में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। माल और यात्रियों दोनों के परिवहन के लिए डिजाइन वायुसेना के 'वर्कहॉर्स' एएन-32 विमान ने भी करतब दिखाया। इसके बाद सुखोई-30 एमकेआई और राफेल के तीन-तीन विमानों के समूह ने तेजी से लगातार अंतराल में मोरान के आसमान में उड़ान भरी।

पायलटों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए, जिनमें से दो विमान हवाई पट्टी के ऊपर से निकल गए जबकि तीसरा विमान ईएलएफ पर उतरा। इसी तरह, तीन राफेल विमानों के समूह ने भी करतब दिखाए, जिनमें से दो विमान हवाई पट्टी के पास उड़ान भरते हुए गुजरे और तीसरा यहां उतरा। विशेष हेलीकॉप्टर-आधारित अभियान (एसएचबीओ) और उन्नत हल्के हेलीकॉप्टरों (एएलएच) ने मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान का प्रदर्शन किया। एसएचबीओ के तहत दो एएलएच हेलीकॉप्टर ईएलएफ पर उतरे और भारतीय वायु सेना की अभियानगत तैयारी का प्रदर्शन करते हुए कमांडो हेलीकॉप्टर से उतरकर अपनी-अपनी जगह तैनात हो गए।

ममता बनर्जी ने दी वैलेंटाइन डे की बधाई, कहा- 'प्रेम अमर रहे'

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनर्जी ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर 'वेलेंटाइन डे' की शुभकामनाएं दीं।

सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वालीं बनर्जी ने पहली बार वेलेंटाइन डे के अवसर पर संदेश साझा किया है। राज्य में विधानसभा चुनावों की तैयारियां तेज होने के बीच उन्होंने यह पोस्ट की है। अपने संदेश की शुरुआत उन्होंने बांग्ला कविता से की, और लिखाप्रेम अमर रहे। प्रेम स्थायी है, फलता-फूलता है और लंबे समय तक कायम रहता है। उन्होंने लिखा, वेलेंटाइन डे प्रेम के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों का उत्सव है। प्रेम की यही भावना मेरे सार्वजनिक जीवन की यात्रा का मार्गदर्शन करती रही है। यह जनता के प्रति ऐसा प्रेम है जो तूफानों को झेल सकता है, धैर्यपूर्वक उनकी बात सुन सकता है और न्याय व गरिमा के लिए साहसपूर्वक लड़ सके। मुख्यमंत्री की इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए माकपा नेता सुजान चक्रवर्ती ने कहा कि स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने रासबिहारी इलाके में मुख्यमंत्री के आवास के पास 'मैनिफेस्टो ऑफ लव' थीम पर प्रगतिशील साहित्य का स्टॉल लगाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को सुझाव दिया कि वह वहां जा सकती हैं।

मंत्रिमंडल ने असम में ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे भारत की पहली सड़क-सह-रेल सुरंग को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने असम में ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे भारत की पहली सड़क-सह-रेल सुरंग समेत गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच चार लेन वाले ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के निर्माण के लिए 18,662 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दे दी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि वर्तमान में, राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-715 पर स्थित नुमालीगढ़ और एनएच-15 पर स्थित गोहपुर के बीच की दूरी एनएच-52 पर सिलघाट के निकट स्थित कालियाभम्भोरा सड़क पुल से 240 किलोमीटर है। इसमें नुमालीगढ़, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और बिश्वनाथ कस्बे से होते हुए छह घंटे का समय लगता है। इसमें कहा गया है, ''इन चुनौतियों से निपटने के लिए, इस परियोजना को राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर गोहपुर से नुमालीगढ़ तक ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे सड़क-सह-रेल सुरंग के साथ चार-लेन ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है।'' बयान में कहा गया है कि यह परियोजना इंजीनियरिंग-खरीद-निर्माण (ईपीसी) मॉडल पर विकसित की जाएगी।

यह भारत की पहली और विश्व की दूसरी सड़क-सह-रेल सुरंग होगी। इस परियोजना से असम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होगा। इससे माल ढुलाई की दक्षता में वृद्धि होगी, रसद लागत में कमी आएगी और क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को गति मिलेगी। बयान के अनुसार, यह परियोजना असम के प्रमुख आर्थिक, सामाजिक और रसद केंद्रों को निर्बाध रूप से जोड़ती है। इसके अतिरिक्त, यह परियोजना 11 आर्थिक केंद्रों, तीन सामाजिक केंद्रों, दो पर्यटन केंद्रों और आठ रसद केंद्रों से जुड़कर 'मल्टी-मोडल' एकीकरण को बढ़ावा देगी, जिससे चार प्रमुख रेलवे स्टेशनों, दो हवाई अड्डों और दो अंतर्देशीय जलमार्गों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और इस क्षेत्र में माल और यात्रियों की आवाजाही तेज होगी।

माझी ने क्योंझर में टेक्सटाइल पार्क, डेटा सेंटर की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/केंझार/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शनिवार को अपने गृह जिले क्योंझर में 100 करोड़ रुपए के टेक्सटाइल पार्क और 187 करोड़ रुपए के आपदा पुनर्वास एवं डेटा सेंटर की आधारशिला रखी।

धरणीधर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए माझी ने कहा, राज्य सरकार क्योंझर को एक विविधीकृत औद्योगिक केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। खनिज-संपन्न यह जिला बहु-क्षेत्रीय औद्योगिक विकास का केंद्र बनेगा। हमारा दृष्टिकोण एक 'स्वर्णिम क्योंझर' का निर्माण करना है।

हिंडाल्को सात एकड़ भूमि पर परिधान निर्माण इकाई स्थापित करेगा, जहां प्रतिवर्ष 24 लाख वस्त्रों का उत्पादन होगा। इनमें लुई फिलिप, वैन ह्यूसेन, एलेन सॉली और पीटर इंग्लैंड जैसे ब्रांड शामिल होंगे, जो घरेलू और वैश्विक बाजारों के लिए तैयार किए जाएंगे। उन्होंने कहा, यह हम सभी के लिए गर्व की बात है और यह परियोजना खनन और व्यापक विनिर्माण से आगे मूल्य-संवर्धित उद्योगों के विस्तार के ओडिशा के व्यापक लक्ष्य को हासिल करने में मददगार साबित होगी।

पुलवामा हमले में जवानों के बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा: मणिपुर के मुख्यमंत्री

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने शनिवार को कहा कि पुलवामा हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों के बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहीद जवानों की विरासत आने वाली पीढ़ियों को सम्मान और समर्पण के साथ राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज के इस महत्वपूर्ण मौके पर हम पुलवामा में हुए दुखद आतंकी हमले में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को गहन श्रद्धा और सम्मान के साथ नमन करते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने भी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्र जब पुलवामा के शहीदों को याद कर रहा है, मैं उन बहादुरों को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने जीवन के बजाय कर्तव्य को चुना। उनके बलिदान ने हमारे राष्ट्र की आत्मा को मजबूत किया।

कनाडा को एक्सपोजर की जरूरत है, हमदर्दी की नहीं : कप्तान दिलप्रीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का मानना है कि उनके जैसे एसोसिएट देश को क्रिकेट जगत से हमदर्दी की नहीं बल्कि फ्रेंचाइजी लीग और द्विपक्षीय क्रिकेट के जरिये एक्सपोजर की जरूरत है ।

बाजवा ने कनाडा में फ्रेंचाइजी क्रिकेट के प्रचार को खिलाड़ियों के लिए मनोबल बढाने वाला बताया क्योंकि उसके बिना उन्हें लगातार मैच अभ्यास नहीं मिल रहा था । उन्होंने कहा ,'' मैं युवराज सिंह को धन्यवाद देना चाहता हूं जो कनाडा सुपर 60 लेकर आये । हमें इसी की कमी खल रही थी । ग्लोबल टी20 कनाडा पिछले साल नहीं हुआ था लेकिन युवराज और अभिषेक शाह को धन्यवाद जो उत्तरी अमेरिका में फ्रेंचाइजी क्रिकेट लेकर आये।'' उन्होंने कहा ,''इससे मदद हुई क्योंकि हमें लगातार क्रिकेट खेलने को नहीं मिलता था । पहली बार हमने इंडोर फ्रेंचाइजी क्रिकेट देखा । अब बर्फ गिरे या बारिश हो, हम क्रिकेट खेल रहे हैं । यह गर्व का पल है कि कनाडा में इंडोर स्टेडियम है ।'' बाजवा ने कहा ,'' भारत में जब आईपीएल शुरू हुआ तो फ्रेंचाइजी और निजी क्षेत्र आगे आया। आज आईपीएल व भारतीय क्रिकेट कितना बड़ा हो गया है । हमारे बोर्ड और कनाडा आ रहे सभी निवेशकों की भी यही योजना है क्योंकि बोर्ड

ओडिशा में मधुमक्खियों के हमले में बुजुर्ग की मौत, नौ घायल

केंद्रपाड़ा/भाषा। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में मधुमक्खियों के हमले में 76 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम नौ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना राजकनिका पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत जगुलेईपाड़ा गांव में शुक्रवार दोपहर को हुई जब मधुमक्खियों ने उन पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि केंद्रपाड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल में इलाज के दौरान बाइलोचन बिस्वाल की मौत हो गई, जबकि सभी घायलों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

अधिकारी ने बताया कि गांव के स्कूल परिसर में एक पेड़ पर दो फुट लंबा मधुमक्खी का छत्ता पाया गया।

मंगेतर से 'कहासुनी' के बाद आईआईटी-कानपुर की तकनीशियन ने आत्महत्या की

कानपुर (उप्र)/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर की 28 वर्षीय कनिष्ठ तकनीशियन ने मंगेतर से कथित तौर पर हुई कहासुनी के बाद शनिवार को परिसर स्थित अपने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान अंजू कुमारी के तौर पर हुई है, जो झारखंड के पूर्वी सिंहभूम के जादूगोड़ा की रहने वाली थीं और पिछले तीन साल से संस्थान की एक प्रयोगशाला में काम कर रही थीं। वह परिसर में एक स्टाफ क्वार्टर में अकेली रहती थीं।

पुलिस के मुताबिक, अंजू शनिवार को अपने मंगेतर से फोन पर बात कर रही थीं, तभी कथित तौर पर दोनों में बहस हो गई। इसी दौरान अंजू ने अपनी जान देने की बात कहकर फोन काट दिया। पुलिस के मुताबिक, घबराए मंगेतर ने आईआईटी के परिसर में रहने वाले एक दोस्त से संपर्क किया और उससे अंजू का हालचाल पूछने को कहा। दोस्त के न होने पर, उसका भाई अंजू के कमरे पर गया, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। बार-बार दरवाजा खटखटाने और फोन कॉल का जवाब न मिलने पर, हॉस्टल वार्डन और पुलिस को सूचित किया गया। बाद में दरवाजा जबरदस्ती खोला गया। पुलिस ने बताया कि कमरे में अंजू फंदे से लटकी हुई मिली।

शुभेंदु ने तृणमूल सरकार पर युवाओं को 'धोखा देने' का आरोप लगाया, बेरोजगारी का मुद्दा उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उस पर पश्चिम बंगाल के युवाओं को ''धोखा देने'' और बेरोजगारी संकट का समाधान करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

शुभेंदु अधिकारी ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए दावा किया कि पश्चिम बंगाल में वर्तमान में 2.15 करोड़ से अधिक बेरोजगार युवा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 2013 में 17 लाख आवेदकों को भत्ते और रोजगार प्रदान करने के लिए शुरू की गई 'युवा सहश्री' योजना को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया गया है, और 2017-18 वित्तीय वर्ष से इसके लिए कोई धनराशि आवंटित नहीं की गई है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने कहा, ''राज्य सरकार ने राजनीतिक और कानूनी जोखिमों से बचने के लिए जानबूझकर रोजगार सृजन के रास्ते बंद कर दिए हैं। हमारे पास जानकारी है कि आवेदन सूचियों को नष्ट कर दिया गया है।'' उन्होंने बताया कि लगभग 10 लाख सरकारी पद रिक्त हैं, जिनमें 3.58 लाख शिक्षक पद और 1.5 लाख पुलिस कांस्टेबल पद शामिल हैं। भाजपा नेता ने राज्य के सरकारी अधिकारियों और नौकरशाहों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी, अन्यथा उन्हें ''गंभीर कानूनी परिणामों'' का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि नौकरशाही का एक वर्ग राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है और अधिवास प्रमाण पत्रों के अनधिकृत वितरण में शामिल है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि बांग्लादेश से घुसपैठ राज्य की जनसांख्यिकीय संरचना के लिए एक ''बड़ा खतरा'' बनी हुई है।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने घुसपैठ के मुद्दे पर पश्चिम बंगाल सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में घुसपैठ एक गंभीर मुद्दा बन गई है और राज्य को घुसपैठियों के हवाले किया जा रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने यहां भाजपा के शिक्षक प्रकोष्ठ के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्र की 'पूर्वोदय' विकास विजन का भी जिक्र किया और कहा कि भारत की समग्र प्रगति पूर्वी राज्यों के उत्थान पर निर्भर करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस दृष्टिकोण को सामने रखने का श्रेय देते हुए उन्होंने कहा, कोलकाता पूर्वोदय की राजधानी है। पूर्व के विकास की पहली किरण कोलकाता से आनी चाहिए।

प्रधान ने आरोप लगाते हुए कहा, यह राज्य सरकार बंगाल को घुसपैठियों के हवाले करने और एक बार फिर 'बंग भंग' जैसी स्थिति को आमंत्रित करने की योजना बना रही है। मेरा राज्य ओडिशा भी इससे प्रभावित हुआ है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है, जबकि गरीबी देश को नुकसान पहुंचा रही है। तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए प्रधान ने सत्ता परिवर्तन का अनुरोध किया और आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार ने प्रशासन को भ्रष्टाचार और घुसपैठ के हवाले कर दिया है। उन्होंने कहा, बंगाल में इस भ्रष्ट सरकार को हटाने के लिए सत्ता परिवर्तन का समय आ गया है। उन्होंने लोगों से भाजपा के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया।

सुविचार

समय अच्छा हो तो तुम्हारी गलती भी मजाक बन जाती है अगर बुरा हो तो तुम्हारा मजाक भी गुनाह बन जाता है।

ट्वीट

बीते एक दशक में हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को ग्रोथ का कोर ड्राइवर माना है। इसी सोच के साथ देश में स्टार्टअप कल्चर और हैकाथॉन कल्चर जिस तेजी से बढ़ा है, उसके परिणाम उत्साहित करने वाले हैं।

-नरेन्द्र मोदी

ओजस्वी वक्ता, सौम्यता व सादगी की प्रतिमूर्ति, 'पद्म विभूषण' से सम्मानित, पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज जी की जयंती पर उन्हें नमन! आपका व्यक्तित्व आज भी करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणापुंज है।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

हस्तक्षेप

आदित्य और ईशा ने जब अपने नए फ्लैट की चाबियाँ लीं, तो उन्हें लगा जैसे उन्होंने एक सपनों का आकाश पा लिया है। चौदहवीं मंजिल पर बना वह घर शहर के शोर-शराबे से ऊपर, शांत और सुव्यवस्थित था। शाम को कॉफी पीना और सप्ताहांत पर नेटफ्लिक्स के साथ वक्त गुज़ारना, उनकी छोटी-सी दुनिया थी, जो उनके लिए संपूर्ण थी। एक दिन आदित्य के पास गाँव से उसकी माँ, सुमित्रा जी का फोन आया। बेटा, यहाँ गाँव में तो लू चल रही है। हम सोच रहे हैं थोड़े दिन के लिए तुम्हारे पास आ जाएं, मामा भी साथ होंगे। आदित्य ने खुशी-खुशी सहमति दी और ईशा से पूछा, तो उसने भी मुस्कुराहट के साथ कहा, ज़रूर, माँ जी को बुलाओ।

एक दिन सुमित्रा जी और मामा जी बड़े-बड़े सूटकेस लेकर पहुँच गए। मामा जी ने टीवी का वॉल्यूम फुल कर दिया। देखो-देखो आदित्य! राजनीति में क्या उथल-पुथल मची है! उनकी आवाज़ पूरे घर में गूँजने लगी। अगले दिन सुबह जब ईशा हमेशा की तरह अपनी टी-शर्ट और शॉर्ट्स में रसोई की ओर जा रही थी, तो मामा जी ने अखबार से नज़र हटाकर उसे ऊपर से नीचे तक देखी। बिटिया, थोड़ा ढंग के कपड़े पहना करो, घर में तुम्हारे बड़े-बुजुर्ग भी हैं। बाहर ठंड भी है, शरीर ढक कर रखोगी तो बीमार नहीं पड़ोगी। ईशा के पैर वहीं ठिठक गए। उसने दुपट्टा संभालते हुए बस इतना ही कहा, जी मामा जी, लेकिन उसके भीतर कुछ टूट सा गया था।

रसोई में भी अब ईशा की पसंद का कोई मोल न था। दोपहर में जब उसने सलाद और हल्का सूप बनाना चाहा, तो सुमित्रा जी उनकी सास ने सलाह दिया, बहू, मामा को ये सलाद नहीं भाता। शहर आए हैं तो कुछ ढंग का खिलाओ। बढ़िया सा पूड़ी-कचौड़ी और आलू की सब्जी बना लो। ईशा ने थककर चूल्हे के सामने खड़े होते हुए सोचा, 'क्या यह मेरा घर है, या मैं बस किसी की आया बन गई हूँ?'

रात में, आदित्य और ईशा अपने कमरे में किसी विषय पर चर्चा कर रहे थे। अचानक बिना किसी आहट के दरवाज़ा खुला और सुमित्रा जी अंदर आ गईं। आदित्य, तेरे मामा को ठंडी लग रही है, एक और कंबल दे देना बीटा। ईशा चौंक गई। सुमित्रा जी के जाने के बाद उसने फुसफुसाते हुए आदित्य से कहा, आदित्य, माँ जी को दरवाज़ा खटखटा कर आना चाहिए था। यह हमारा निजी कमरा है। आदित्य ने उसका हाथ दबाते हुए धीरे से कहा, अरे ईशा, वह गाँव की हैं, इन बातों को नहीं समझतीं। कुछ ही दिन की तो बात है, सब ठीक हो जाएगा।

लेकिन वह 'कुछ दिन' भारी पड़ने लगे। एक रविवार को ईशा अपनी सहेली की शादी में जाने की तैयारी कर रही थी कि तभी सुमित्रा जी ने घोषणा कर दी, आज हमने पंडित जी को बुलाया है, घर में हवन होगा। ईशा ने हैरान होकर पूछा, माँ, आपने पहले क्यों नहीं बताया? आज मेरी फ्रेंड की शादी है। मामा जी ने चाय की चुस्की लेते हुए सलाह दे दिया, अरे बेटा, अच्छे काम के लिए पूछा नहीं जाता। वैसे भी तुम शहर वालों के पास धर्म-कर्म के लिए वक्त कहाँ है?

ईशा का सब्र जवाब दे गया। उसने शांत स्वर में बस इतना पूछा, फिर इस घर में किसी की अपनी मर्ज़ी बची है क्या?

उस रात कमरे का माहौल तनावपूर्ण था। ईशा फट पड़ी, आदित्य, यह घर है या धर्मशाला? हम दिनभर काम करते हैं और घर लौटने पर हमें अपने ही सोफे पर बैठने के लिए इंतज़ार करना पड़ता है। मामाजी कभी यह नहीं कहते कि बेटा थक हारकर आई होगी, थोड़ा आराम कर ले। क्या हमें अपने ही घर में अजनबियों की तरह रहना पड़ेगा? आदित्य चुप रहा। लेकिन उसकी खामोशी में भी इस बार एक निर्णय छिपा हुआ था।

अगली शाम, जब सभी साथ में बैठे थे तो आदित्य ने एक बात छेड़ी। माँ, और मामा जी, मुझे बहुत खुशी है कि आप लोग यहाँ आए। लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूँ। सुमित्रा जी ने अपने देते की ओर ध्यान से देखा। आदित्य ने अपनी बात जारी रखते हुए आगे कही, आप लोग थोड़ा ईशा का भी ख्याल रखें। वह ऑफिस से घर आती है, तो आप लोगों ने कभी यह सोचा कि वह थकी होगी? उसे भी कुछ समय के लिए आराम चाहिए? लेकिन उसे यहाँ आते ही रसोई में लग जाना पड़ता है।

सुमित्रा जी की आँखें गीली हो गईं, शहर की हवा लग गई है बेटा, जिसे छू ले, वह बदल जाता है। लेकिन मामा जी ने गंभीरता से स्थिति को समझा। उन्होंने अपनी बहन का हाथ पकड़ी और समझाने लगे, नहीं बहिन, यह शहर की हवा नहीं, इनकी भी अपनी जिंदगी है। हमें बच्चों को उनके हिसाब से जीने देना चाहिए। अब हमें घर लौटने की तैयारी करनी चाहिए।

एक हफ्ते बाद, वे दोनों अपने घर को लौट गए। अब घर में एक बार फिर वही चिर-परिचित सुकून लौट आया था। ढलती शाम की सुनहरी रोशनी में, ईशा ने बालकनी की रेलिंग के पास खड़े आदित्य की ओर कॉफी का मग बढ़ाया। भाप उड़ाती कॉफी की खुशबू में आज एक अलग ही मिठास थी।

ईशा ने एक लंबी और गहरी राहत की सांस लेते हुए धीरे से कहा, आदित्य, आज पहली बार लग रहा है कि दीवारें फिर से सांस ले रही हैं। अब यह सच में हमारा अपना घर लग रहा है।

आदित्य ने उसकी आँखों में झाँका और एक आश्वस्त मुस्कान के साथ जवाब दिया, सच कह रही हो ईशा। इन चंद दिनों ने हमें एक बड़ा सबक सिखा दिया-घर सिर्फ खूबसूरत पर्दों और फर्नीचर से नहीं, बल्कि स्पष्ट संवाद और एक-दूसरे की गरिमा की रक्षा करने से बनता है।

नीचे शहर की रोशनी जुगनू की तरह झिलमिला रही थी, लेकिन उस चौदहवीं मंजिल के छोटे से फ्लैट के भीतर अब एक अलग ही चमक थी। वह चमक थी समझदारी की, जिसने उन दोनों के बीच सम्मान और भरोसे की एक ऐसी अभेद्य नींव रख दी थी, जिसे अब कोई भी बाहरी हस्तक्षेप हिला नहीं सकता था।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

आत्मबोध

आत्म, शुचिता का सूचक है। आत्म आलोकित और पवित्र है। गंगोत्री के उद्गम की तरह, जहाँ किसी तरह का कोई मैल नहीं होता। मैल तो उद्गम से आगे की यात्रा में जमना शुरू होता है। ज्यों-ज्यों यात्रा आगे बढ़ती है, यात्रा के छोटे-बड़े पड़ाव मनुष्य में आत्म-मोह उत्पन्न करते हैं। फिर आत्म-मोह, अज्ञान के साथ मिलकर अहंकार का रूप देने लगता है। जैसे पेट बढ़ने पर घुटने नहीं दिखते, वैसे ही आत्म-मोही की भौंहे फैलकर अपनी ही आँखों में प्रवेश कर जाती हैं। इससे दृष्टि धुंधला जाती है। आगे दृष्टि शनैः शनैः क्षीण होने लगती है और अहंकार के चरम पर आँखें दृष्टि से हीन हो जाती हैं।

दृष्टिहीनता का आलम यह कि अहंकारी को अपने आगे दुनिया बौनी लगती है। वह नाममात्र जानता है पर इसी नाममात्र को सर्वश्रेष्ठ मानता है। ज्ञानी की अवस्था पूर्ण भरे घड़े की तरह होती है। वह शांत होता है, किसी तरह का प्रदर्शन नहीं करता। अज्ञानी की स्थिति इसके ठीक विरुद्ध होती है। वह आधी भरी मटकी के जल की तरह उछल-उछल कर अपना अस्तित्व दर्शाने के हास्यास्पद प्रयास निरंतर करता है। इसीलिए तो कहा गया है, 'अधजल गगरी छलकत जाए।'

लगभग चार दशक पूर्व एक अंग्रेजी फिल्म देखी थी। नायक दुर्घटनावश एक ऐसे कस्बे में पहुँच जाता है जहाँ जीवन जीने के तौर-तरीके अभी भी अविकसित और बर्बर हैं। नायक को घेर लिया जाता है। कस्बे का एक योद्धा, नायक के सामने तलवार लेकर खड़ा होता है। तय है कि वह तलवार से नायक को समाप्त कर देगा। अपने अहंकार का मारा कथित योद्धा, नायक का सिर, धड़ से अलग करने से पहले तलवार से अनेक करतब दिखाता है। भारी भीड़ जुटी है। एक ओर नायक स्थिर खड़ा है। दूसरी ओर से तलवारबाजी करता कथित योद्धा नायक की ओर बढ़ रहा है। योद्धा के हर बढ़ते कदम के साथ शोर भी बढ़ता जाता है। अंततः दृश्य की पराकाष्ठा पर योद्धा ज्यों ही तलवार निकालकर नायक की गर्दन पर वार करने जाता है, अब तक चुप खड़ा नायक, जेब से पिस्तौल निकालकर उसे ढेर कर देता है। भीड़ हवा हो जाती है। ज्ञान के आगे अज्ञान की यही परिणति होती है।

अज्ञान से मुक्ति के लिए आत्म-परीक्षण करना चाहिए। आत्म-परीक्षण होगा, तब ही आत्म-परिष्कार होगा। आत्म-परिष्कार होगा तो मनुष्य आत्म-बोध के दिव्य पथ पर अग्रसर होगा।

शिवरात्रि पर विशेष

आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ने का दिव्य अवसर है महाशिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584

भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और भक्ति व्यक्त करने का विशेष अवसर है महाशिवरात्रि, जो भगवान शिव और माता पार्वती के मिलन का दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूरी होती हैं और महाशिवरात्रि का व्रत रखने से पापों का नाश होता है, मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। प्रतिवर्ष फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 15 फरवरी को मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने का सुअवसर है। महाशिवरात्रि को शिव तत्व को आत्मसात करने, नकारात्मक ऊर्जाओं को समाप्त करने और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने का सबसे उत्तम अवसर माना जाता है।

महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा, भांग एवं शहद अर्पित करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। इस रात्रि को जागरण करने वाले भक्तों को अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। शिव पुराण के अनुसार, इस दिन विधिपूर्वक व्रत रखने और रात्रि जागरण करने से समस्त पापों का नाश होता है और भक्तों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में कहा गया है कि महाशिवरात्रि की रात्रि में चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है, जिसमें हर प्रहर में शिवलिंग का अलग-अलग द्रव्यों से अभिषेक किया जाता है, पहले प्रहर में जल, दूसरे प्रहर में दही, तीसरे प्रहर में घी और चौथे प्रहर में शहद से अभिषेक करने का विधान है।

धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं।

भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है?इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ है, जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।''

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए।

विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

बोध कथा

बोलने वाली रजाई

अंदर चले आएं, श्रीमान, अंदर चले आएं। मैं आपका हृदय से स्वागत करता हूं। जैसे ही व्यापारी ने सराय के दरवाजे पर पांव रखा, सराय का मालिक खुशी में भर चिल्लाया। यह सराय उसी दिन खोली गई थी और उस समय तक कोई भी व्यक्ति उस सराय में नहीं आया था। वास्तव में वह सराय प्रथम श्रेणी की सराय न थी। सराय का मालिक बहुत ही निर्धन मनुष्य था। उसका अधिकांश सामान, जैसे चटाइयां, मेजें, बर्तन इत्यादि एक कबाड़ी की दूकान से खरीदा गया था। व्यापारी को सराय पसंद आयी। अपना मन-पसंद भोजन करने के बाद वह बिस्तर पर जा लेटा, अभी वह कुछ ही देर सो पाया होगा कि उसे कमरे में दो आवाजें सुनाई दीं जिससे उसकी नींद उचट गई। ये आवाजें दो छोटे-छोटे लड़कों की मालूम होती थीं। प्यारे बड़े भाई, क्या आपको ठण्ड लग रही है? पहली आवाज थीं। क्या तुम्हें भी ठण्ड लग रही है? दूसरी आवाज सुनाई पड़ी। व्यापारी ने सोचा कि शायद भूल से सराय के मालिक के बच्चे कमरे में आ गये हैं। ऐसा होने की संभावना भी अधिक थी, क्योंकि जापानी सरायों के कमरों में दरवाजे नहीं होते जिन्हें बंद किया जा सके। केवल कागज़ के पर्दे होते हैं जिन्हें इधर-उधर खिसका कर आने-जाने का रास्ता बनाया जा सकता है।

व्यापारी ने कहा, बच्चों, यह तुम्हारा कमरा नहीं है। कुछ देर कमरे में शान्ति रही, पर फिर से वही आवाजें सुनाई दीं। प्यारे बड़े भाई, क्या आपको ठण्ड लग रही है? और उत्तर में आवाज आई, क्या तुम्हें भी ठण्ड लग रही है? व्यापारी बिस्तर से झुंझलाकर उठ बैठा। उसने मोमबत्ती जलाई और कमरे का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया। किन्तु कहीं कोई चुहिया का बच्चा भी तो नहीं मिला। उसने मोमबत्ती को जलता रहने दिया और चुपचाप बिस्तर पर जा लेटा। कुछ क्षण बाद फिर दो आवाजें आईं, प्यारे बड़े भाई, क्या आपको ठण्ड लग रही है और उत्तर में, क्या तुम्हें भी ठण्ड लग रही है? सुनाई पड़ीं।

आवाजें एक रजाई में से आ रही थीं। व्यापारी ने ध्यानपूर्वक दोनों आवाजों को सुना। जब उसे विश्वास हो गया कि आवाजें रजाई में से ही आ रही हैं तो उसने जल्दी-जल्दी अपना सामान बटोरा और एक गठरी बनाई। गठरी को लेकर वह सीधी से नीचे उतरा और सराय के मालिक से सारा हाल कह सुनाया। जनाब, गुस्से में भरकर सराय का मालिक चीखा, लगता है कि, आपने खाने के समय बहुत तेज शराब पी ली है इसलिए आपको बुरे स्वप्न दिखाई दिए। कहीं रजाइयां भी बोलती हैं?

व्यापारी ने उत्तर दिया, आपकी रजाइयों में से एक रजाई बोलती है। आप मुझसे असभ्यता पूर्वक बोले, इसलिए अब मैं इस सराय में एक घड़ी भी नहीं ठहरूंगा। यह कह व्यापारी ने अपनी जेब से कुछ नोट निकाले और उन्हें सराय के मालिक की ओर फेंककर कहा, यह रहा आपका किराया। मैं जा रहा हूं। और वह चला गया। अगले दिन कोई दूसरा व्यक्ति सराय में आया। उसने खाने के समय शराब भी नहीं पी, लेकिन वह सोने के कमरे में थोड़ी ही देर रहा होगा कि उसे भी वही आवाजें सुनाई दीं। वह भी सीढ़ी से नीचे आया और उसने भी सराय के मालिक से कहा कि एक रजाई में से दो आवाजें आती हैं। महोदय, सराय का मालिक चिल्लाया, मैंने आपको अधिक से अधिक आराम पहुंचाने की कोशिश की, इसका बदला आप मुझे ऐसी बेवकूफी से भरी कहानी सुनाकर चुकाना चाहते हैं। आप मुझे परेशान करना चाहते हैं। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, जी नहीं, यह बेवकूफी से भरी कहानी नहीं है। मैं आपसे कसम खाकर कहता हूं कि मैंने एक रजाई से दो लड़कों की आवाजें आती सुनी हैं। मैं इस सराय में हरगिज नहीं रहूंगा। जब दूसरा ग्राहक भी नाराज होकर चला गया तो सराय के मालिक का माथा ठनका। वह ऊपर गया और उसने एक के बाद दूसरी रजाई उलटना-पलटना शुरू कर दिया। उसे भी एक रजाई में से दो आवाजें आती सुनाई दीं।

वीर गाथा

कांस्टेबल मुदस्सिर अहमद शेख : लहूलुहान होकर भी नहीं की पकड़ ढीली, भारत मां के लिए दिया बलिदान

कांस्टेबल मुदस्सिर अहमद शेख का जन्म जम्मू-कश्मीर के उरी में हुआ था। माता शमीमा बेगम और पिता मकसूद शेख के बेटे मुदस्सिर जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक बहादुर योद्धा थे। उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ कई अभियानों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

25 मई, 2022 को सुरक्षा बलों को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि एक गाड़ी में भारी हथियारों से लैस तीन विदेशी आतंकवादी किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। यह भी पता चला कि वे अमरनाथ यात्रा को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। सूचना का विश्लेषण करने के बाद बारामूला में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया।

मुदस्सिर की नजर गाड़ियों पर थी। अचानक उन्हें एक गाड़ी पर शक हुआ। वे उसकी ओर बढ़े ही थे कि आतंकवादी भागने की कोशिश करने लगे। अब तो मुदस्सिर का शक यकीन में बदल गया था। उन्होंने छलांग लगाई और गाड़ी पर चढ़ गए। उन्होंने हाथ बढ़ाया और एक आतंकवादी को गाड़ी से बाहर खींच लिया।

आतंकवादी बुरी तरह घबरा गए थे। एक आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इससे मुदस्सिर गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके शरीर से बहुत ज्यादा खून बह रहा था। इसके बावजूद उन्होंने अपनी पकड़ ढीली नहीं की। मुदस्सिर ने गोली चलाकर तीनों आतंकवादियों को मार गिराने की कोशिश की।

अब तक सुरक्षा बलों के जवान भी धावा बोल चुके थे। उन्होंने तीनों आतंकवादियों का खात्मा कर दिया। मुदस्सिर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वे रास्ते में ही शहीद हो गए।

कांस्टेबल मुदस्सिर अहमद शेख अपने मुल्क के लिए फ़र्ज़ की राह में क़ुर्बान हो गए। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया। पूरे हिन्दुस्तान को उन पर फ़ख़्र है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिवरात्रि

अमृतसर में शनिवार को महा शिवरात्रि से एक दिन पहले एक धार्मिक जुलूस के दौरान हिंदू देवता भगवान शिव के कपड़े पहने एक कलाकार।

भारत, ऑस्ट्रेलिया को एक-दूसरे की कहानियां सुनने की जरूरत : ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन

नई दिल्ली/भाषा। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन ने भारत और ऑस्ट्रेलिया की अर्थव्यवस्था को काफी हद तक एक-दूसरे की पूरक करार देते हुए कहा कि दोनों देश ऐसी चीजों का उत्पादन करते हैं, जो एक-दूसरे के हितों के अनुकूल हैं, लेकिन द्विपक्षीय संबंध इस पहलू से कहीं अधिक गहरे होने चाहिए।

ग्रीन ने यहां ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग परिसर में शुक्रवार रात आयोजित 'गिग ऑन द ग्रीन' कार्यक्रम से इतर 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, हमें एक-दूसरे को और अधिक गहराई से समझने की जरूरत है। हमें एक-दूसरे की कहानियां जानने और सुनने की जरूरत है।

कार्यक्रम में भारत में जन्मे रूबेन डी मेलो सहित भारतीय मूल के दो ऑस्ट्रेलियाई गायकों ने प्रस्तुति दी। रूबेन ने 2024 में 'द वॉइस ऑस्ट्रेलिया' गायन प्रतियोगिता जीती थी।

ग्रीन ने कहा, यह हमारे लिए एक बहुत ही खास अवसर है। आप जानते हैं, हम रक्षा और सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में बहुआयामी द्विपक्षीय संबंध स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बीच जो मानवीय जुड़ाव है, वह द्विपक्षीय संबंधों की एक बहुत ही खास बात है।

ग्रीन ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में वर्तमान में भारतीय मूल के दस लाख से अधिक लोग हैं। यह हमारे देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाला समुदाय है और वे हमारे समाज में शानदार योगदान दे रहे हैं। हम चाहते हैं कि वे द्विपक्षीय संबंधों के लिए भी शानदार काम करें।

ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त ने कहा कि आर्थिक, रक्षा और अन्य साझेदारियों के अलावा, संस्कृति भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कुछ चीजें हमेशा अच्छी रहेंगी और हम अपने क्षेत्र में रणनीतिक साझेदार हैं।

ग्रीन ने कहा, हमारी अर्थव्यवस्थाएं काफी हद तक एक-दूसरे की पूरक हैं, जिसका मतलब यह है कि हम एक-दूसरे के हितों के अनुरूप उत्पादों का उत्पादन करते हैं। लेकिन हमें इससे भी गहरे संबंधों की आवश्यकता है। हमें एक-दूसरे को गहराई से समझने की जरूरत है। हमें एक-दूसरे की कहानियां जानने और सुनने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 'गिग ऑन द ग्रीन' उन कई तरीकों में से एक है, जिनके जरिये हम ऑस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ संस्कृति और कला को भारत में लाने की कोशिश कर रहे हैं, ठीक उसी तरह जैसे हम भारत की संस्कृति और कला का ऑस्ट्रेलिया में स्वागत कर रहे हैं।

कला केवल एक सौंदर्यपरक चीज नहीं है, इसका वास्तविक प्रभाव हो सकता है : इब्राहिम महामा

नई दिल्ली/भाषा। सामाजिक-राजनीतिक जागरुकता फैलाने वाली कलाकृतियों के लिए पहचाने जाने वाले घाना के समकालीन कलाकार इब्राहिम महामा का मानना है कि एक कलाकार का यह दायित्व है कि वह उस दुनिया पर विचार करे जिसमें वह खुद को पाता है। उन्होंने कहा कि कला केवल एक सौंदर्यपरक चीज नहीं है, बल्कि इसका वास्तविक प्रभाव हो सकता है। पिछले साल दिसंबर में कोचि-मुजिरिस द्विवार्षिक प्रदर्शनी में अपने सशक्त राजनीतिक संदेश वाली कलाकृति 'पार्लियामेंट ऑफ घोस्ट्स' के लिए उन्हें कला जगत में खासा सराहा गया था। महामा पिछले सप्ताह दिल्ली में आयोजित '17वें इंडिया आर्ट फेयर' में अवसरों तक पहुंच, जवाबदेही और सामाजिक असमानता जैसे विषयों पर एक परिचर्चा को संबोधित करने पहुंचे थे।महामा (38) ने कला मेले से इतर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मुझे नहीं लगता कि कला केवल एक सौंदर्यपरक वस्तु होनी चाहिए। मेरा मानना है कि कला का हमारे आस-पास की दुनिया पर वास्तविक प्रभाव हो सकता है। हम इसमें केवल सौंदर्यपरक या प्रतीकात्मक दृष्टिकोण से ही शामिल नहीं हैं, यह प्रतीकात्मकता से परे है और यहीं पर मैं कलाकारों की जिम्मेदारी की बात करता हूं।'' महामा ने एक अन्य कलाकार कुलप्रीत सिंह के स्टॉल का दौरा किया, जो अपनी कलाकृतियों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए जाने जाते हैं। 'इंडिया आर्ट फेयर' में सिंह की प्रदर्शनी में लुप्तप्राय और विलुप्त प्रजातियों के रंगीन चित्र प्रदर्शित किए गए, जो जलवायु संकट और किसानों पर इसके प्रभाव को दर्शाते हैं। महामा ने कहा कि उनका अपना स्टूडियो चमगादड़ों और अन्य पशुओं की प्रजातियों के लिए एक ''अभयारण्य'' है, क्योंकि उनका मानना है कि कला का उपयोग ''दुनिया को पुनर्जीवित करने'' के लिए किया जा सकता है। अपने स्टूडियो को डिजाइन करते समय, महामा ने दीवारों में खाली जगह छोड़ दी थी, जो अब ''हजारों चमगादड़ों'' का घर है। घाना के कलाकार ने कहा कि भले ही अधिकतर कला अब भी संस्थानों और संग्रहालयों के विचार से बंधी हुई है, लेकिन उम्मीद है कि कलाकार अब ''आधुनिकतावादी सोच से दूर, आधुनिक कलाओं से दूर'' कुछ अलग करने के बारे में सोच रहे हैं।

डॉलर में लेनदेन राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार की रूस की नीति के विपरीत नहीं: क्रेमलिन

मॉस्को/भाषा। रूस ने शनिवार को कहा कि अमेरिका के साथ डॉलर में व्यापार करना विदेशी लेनदेन में राष्ट्रीय मुद्राओं के इस्तेमाल की उसकी सैद्धांतिक नीति के विपरीत नहीं है।

रूसी शासन मुख्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि डॉलर अमेरिका की राष्ट्रीय मुद्रा है, इसलिए अमेरिका के साथ लेनदेन में इसका उपयोग डॉलर पर निर्भरता कम करने की नीति से टकराव नहीं रखता है।

पेसकोव ने सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' को दिए साक्षात्कार में कहा कि रूस-अमेरिका व्यापार में डॉलर का उपयोग रूस के अन्य साझेदारों के साथ उसके मौजूदा आर्थिक संबंधों को मूल रूप से प्रभावित नहीं करेगा वर्ष 2022 में यूक्रेन के साथ सशस्त्र संघर्ष शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों द्वारा रूस के अमेरिकी डॉलर और यूरो खातों पर रोक लगा दिए जाने के बाद रूस ने विदेशी व्यापार में राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग बढ़ाया।इस बारे में पूछे जाने पर पेसकोव ने कहा कि रूस ने डॉलर का उपयोग खुद नहीं छोड़ा था, बल्कि अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण यह स्थिति बनी। उन्होंने कहा कि यदि डॉलर फिर से आकर्षक विकल्प बनता है तो उसका उपयोग लौट सकता है, लेकिन ऐसा अन्य वैकल्पिक और राष्ट्रीय मुद्राओं के साथ होगा।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी मुद्रा को पहले से सक्रिय रूप से उपयोग में लाई जा रही राष्ट्रीय मुद्राओं से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।यूक्रेन संघर्ष के बाद से रूस अपने हाइड्रोकार्बन निर्यात का भुगतान अपनी मुद्रा रूबल में लेने की मांग कर रहा है।

बचपन की तस्वीरों में छुपा है श्रुति हासन का मिजाज, अभिनेत्री ने लिखा, 'तस्वीरें सब बयां करती हैं'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री श्रुति हासन अपने शानदार अभिनय से न सिर्फ साउथ सिनेमा, बल्कि बॉलीवुड में भी राज करती हैं। उन्होंने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक मजेदार और नॉस्टेल्जिक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में उनके बचपन से लेकर अब तक की तस्वीरें शामिल हैं। वहीं, श्रुति ने वीडियो में लिखा, किसी लड़की के बचपन की तस्वीरों से उसके स्वभाव और व्यक्तित्व की झलक साफ दिखाई देती है। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, मैं तो हमेशा से ही बहुत मूडी रही हूं, हाहा। श्रुति का यह पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। कई यूजर्स उनके कमेंट सेक्शन पर शानदार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। श्रुति सिर्फ अभिनेत्री होने के साथ-साथ गायिका और संगीतकार भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करवाई। इस बात से बहुत कम लोग वाकिफ हैं, लेकिन श्रुति ने अपने करियर की शुरुआत अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि गायिका और संगीतकार के रूप में की थी। उन्होंने महज छह साल की उम्र में ही अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्म 'चाची 420' (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हे राम' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम 'रामा रामा' भी गाया था।

अभिनेत्री जल्द ही फिल्म निर्देशक पवन सादिनेनी की फिल्म 'आकासमलो ओका तारा' में नजर आएंगी। फिल्म में अभिनेत्री के साथ दुलकर सलमान और सत्विका वीरवल्ली अहम भूमिका में नजर आएंगी।फिल्म को गीता आर्ट्स और स्वप्ना सिनेमा ने प्रस्तुत किया है। इसके प्रोड्यूसर संदीप गुन्नम और रम्या गुन्नम हैं। यह एक एडवेंचर-ड्रामा फिल्म है। श्रुति के जन्मदिन पर फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया गया था।

ब्रह्मांड की पहली प्रेम कहानी! सारेगामा ला रहा एनिमेटेड फिल्म 'शिव सती'

मुंबई/एजेन्सी

संगीत और मनोरंजन की प्रमुख कंपनी सारेगामा ने एक बड़ी और रोमांचक घोषणा की है। कंपनी एनिमेटेड फीचर फिल्म 'शिव सती' लेकर आ रही है, जो इसी साल देश भर के थिएटर्स में रिलीज होगी। यह फिल्म भगवान शिव और माता सती की दिव्य प्रेम कथा पर आधारित है, जिसे ब्रह्मांड की पहली प्रेम कहानी के रूप में पेश किया जा रहा है। शिव-सती की कथा प्रेम, त्याग, समर्पण और दिव्य मिलन की प्रतीक है।

एनिमेटेड फॉर्मेट में यह बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को आकर्षित कर सकती है। सारेगामा इंडिया लिमिटेड ने अमेजिंग इंडियन स्टोरीज के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट को तैयार किया है। फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है, जिसमें आधुनिक एनिमेशन तकनीक का इस्तेमाल होगा। इसे बड़े पर्दे के लिए स्पेशल लार्ज फॉर्मेट में तैयार किया जा रहा है, ताकि दर्शकों को भव्यता, भावनाएं और दृश्यों का कमाल महसूस हो।

फिल्म के निर्देशक मशहूर राइटर-फिल्ममेकर विवेक आंचलिया हैं, जिन्होंने पहले 'नैशा', 'तिकदम' और 'राजमा चावल' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाई है। विवेक आंचलिया इस प्रोजेक्ट को कटिंग-एज एनिमेशन के साथ टाइमलेस कहानी को जोड़कर एक शानदार अनुभव के लिए तैयार कर रहे हैं। फिल्म अभी प्रोडक्शन के दौर में है। सारेगामा ने इंस्टाग्राम पर इसकी घोषणा करते हुए कहा कि यह एनिमेटेड फिल्म भारतीय पौराणिक कथाओं को नए अंदाज में पेश करेगी, जिसमें स्केल, इमोशन और स्पेक्टेकल भरपूर होगा। यह घोषणा वैलेंटाइन डे पर आई है, जो प्रेम की थीम वाली कहानी के लिए फिट बैठती है। सारेगामा पहले भी कई सफल प्रोजेक्ट्स में शामिल रही है और अब एनिमेशन के क्षेत्र में कदम रखकर भारतीय माइथोलॉजी को ग्लोबल स्तर पर ले जाने की कोशिश कर रही है।

भगवान शिव पर आधारित कई एनिमेटेड फिल्में बन चुकी हैं, दो यूट्यूब के साथ ही ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी उपलब्ध हैं। ये पौराणिक कथाओं को मजेदार तरीके से पेश करती हैं। इन एनिमेटेड फिल्मों में द डांसिंग गॉड शिवा, जिसमें भगवान शिव के तांडव नृत्य और उनकी शक्ति दिखाई गई है। वहीं, शिव पार्वती में शिव और पार्वती की प्रेम कथा और विवाह की खूबसूरत कहानी है। एक अन्य मूवी शिवा : द सेक्रेट वर्ल्ड ऑफ वेदास सिटी शामिल है, जिसमें शिव की महिमा के साथ उनके रहस्यों को नए अंदाज में दिखाया गया है।

'बैटल ऑफ गलवान' का रोमांटिक सॉन्ग 'मैं हूं' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली सलमान खान की अपकमिंग वॉर फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' पर वैलेंटाइन डे का रंग चढ़ गया है। अभिनेता ने दर्शकों को तोहफा देते हुए फिल्म का पहला रोमांटिक गाना रिलीज कर दिया है, जिसमें वे चित्रांगदा के साथ बर्फ की वादियों में रोमांस करते दिख रहे हैं। सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' से रोमांटिक सॉन्ग 'मैं हूं' रिलीज कर दिया गया है। सॉन्ग में सलमान और चित्रांगदा के बीच प्यारी सी लव स्टोरी दिखाई है जिसमें उनके दो बच्चे भी शामिल हैं। गाना रोमांस के साथ दूर रहने के गम को भी अच्छे से दिखाता है क्योंकि अभिनेता फोटो देखकर ही अपनी पत्नी और परिवार को याद कर रहे हैं। खैर, गाना बहुत शांत और सुकून देने वाला है।

गाने को कंपोज अयान लाल ने किया है और आवाज भी अयान लाल और श्रेया घोषाल ने दी है। गाने के बोल शब्बीर अहमद और अयान लाल ने लिखे हैं। श्रेया घोषाल की मीठी आवाज ने गाने में जान डाल दी है। फैंस सिंगर की आवाज की खुलकर तारीफ कर रहे हैं। इससे पहले फिल्म से 'मातृभूमि' सॉन्ग रिलीज किया गया था, जिसमें देशभक्ति और सैनिकों की हिम्मत और हौसले को दिखाया गया था। गाने में अरिजीत सिंह की आवाज ही उसकी आत्मा बनी। सोशल मीडिया पर गाने को इतना पसंद किया गया कि गाना 21 मिलियन के पार हो चुका है।

बात अगर फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की करें तो अभी तक फिल्म का टीजर ही रिलीज हो पाया है।

फिल्म की रिलीज की तारीख में भी बदलाव किया गया। पहले फिल्म 17 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब फिल्म 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होगी। टीजर रिलीज होते ही फिल्म भारत और चीन के बीच चर्चा का विषय बन गई थी। चीन की मीडिया ने फिल्म को लेकर कहा था कि इस तरह की छवि दिखाकर भारत का सिनेमा गलवान घाटी में हुई झड़प को दिखाने की कोशिश कर रहा है, वैसा कुछ नहीं हुआ था। उन्होंने फिल्म को लेकर भारत और चीन के रिश्तों पर तनाव बढ़ने का अंदेशा भी जताया था।

'दो दीवाने शहर में' में नैना बनकर सीखा कि भाई-बहनों के बीच तुलना, खुशियां चुरा लेती हैं: संदीपा धर

मुंबई/एजेन्सी

20 फरवरी को रिलीज़ होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में नैना के किरदार में नज़र आने जा रही संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक ऐसा भावुक और सच्चा अनुभव साझा किया है, जिससे हम सब कभी न कभी गुज़रे होंगे। फिल्म में मृणाल ठाकुर की बहन बनी संदीपा धर ने जिस खूबसूरती से अपनी बात रखी है, उससे उनके फैंस उनकी तारीफ़ करते नहीं थक रहे हैं। हालांकि अपने इस पोस्ट के ज़रिए उन्होंने न सिर्फ समाज की सच्चाई सामने रखी है, बल्कि फिल्म के भावनात्मक पहलू को भी उजागर किया है। संदीपा ने अपने सोशल मीडिया पर एक संदेश के साथ कड़वी सच्चाई बयां करते हुए लिखा है, अपने भाई या बहन को देखो, वह कितना अच्छा है यह एक ऐसा वाक्य है जो बचपन की अनकही यादों को तुरंत जगा देता है। इस नोट के साथ उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में नैना और रोशनी का रिश्ता इसी तुलना के दुष्चक्र से गुजरता है। रोशनी को बार-बार यह एहसास दिलाया जाता है कि वह 'काफी नहीं' है, और नैना पर 'बहुत ज़्यादा परफेक्ट' बने रहने का दबाव रहता है।

संदीपा के मुताबिक, नैना का किरदार निभाते हुए उन्हें समझ आया कि कैसे लगातार तुलना किसी की पहचान, आत्मविश्वास और रिश्तों को धीरे-धीरे खोखला कर देती है। संदीपा कहती हैं कि तुलना, भाई-बहनों को प्रतिद्वंद्वी बना देती है, प्यार को शर्तों से जोड़ देती है और ऐसे ज़ख्म छोड़ जाती है जिन्हें भरने में सालों लग जाते हैं। माता-पिता, शिक्षक या रिश्तेदार अक्सर अनजाने में कहे गए अपनी बहन जैसी बनो जैसे वाक्यों के असर को नहीं समझ पाते, लेकिन वही बातें जीवन भर दिमाग में गूंजती रहती हैं।

गौरतलब है कि रोमांस से आगे बढ़कर, 'दो दीवाने शहर में' एक ऐसी सच्चाई को सामने लाती है, जिसे आप छोटी उम्र से ही महसूस करना शुरू कर देते हैं। यकीन मानिए, यह तुलना सिर्फ बचपन को नहीं, बल्कि इंसान की पूरी पहचान को आकार देती है। ऐसे में ये फिल्म दर्शकों से भी एक सीधा सवाल पूछती है कि बचपन में आप नैना थीं या रोशनी?

गरीबी से शोहरत तक: हालातों से लड़कर कामयाबी की मिसाल बनीं मधुबाला

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के इतिहास में मधुबाला पर्दे पर भले ही प्यार और नजाकत की पहचान बनीं, लेकिन उनकी निजी जिंदगी में संघर्ष, जिम्मेदारियां और कठिन हालात रहे। इन सबसे जूझते हुए उन्होंने एक लंबा सफर तय किया और कामयाबी हासिल की। मधुबाला का जन्म 14 फरवरी, 1933 को दिल्ली में एक पश्तून मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनका असली नाम मुमताज जहां बेगम देहलवी था। घर की आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर थी कि बचपन में ही उन्हें परिवार की जिम्मेदारी उठानी पड़ी। बहुत कम लोग जानते हैं कि मधुबाला ने अभिनय का रास्ता शौक से नहीं, बल्कि मजबूरी में चुना था। महज नौ साल की उम्र में उन्होंने फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया, ताकि घर का खर्च चल सके। उस दौर में किसी बच्ची के लिए कैमरे का सामना करना आसान नहीं था, लेकिन मधुबाला ने हालातों से लड़ने के लिए यह किया।

1942 में आई फिल्म 'बसंत' से उनके करियर को दिशा मिली। इसी फिल्म के बाद उनका नाम मुमताज से बदलकर मधुबाला रखा गया। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया और बहुत कम समय में अपनी पहचान बनाई। वह निर्माता की पहली पसंद बन गई और उनके पास फिल्मों के ऑफर आने लगे। 1950 का दशक मधुबाला के करियर का सुनहरा दौर माना जाता है। 'महल', 'तराना', 'हावड़ा ब्रिज', 'चलती का नाम गाड़ी',' और 'हाफ टिकट' जैसी फिल्मों ने उन्हें स्टार बना दिया। रोमांटिक हो या कॉमेडी, वह अपने हर एक किरदार को खूबसूरती के साथ निभाती थी। उस दौर में अभिनेत्रियों को सीमित भूमिकाएं मिलती थीं, लेकिन मधुबाला ने अपनी शर्तों पर काम किया और अपनी फीस भी खुद तय की।

मधुबाला की कामयाबी की सबसे बड़ी पहचान फिल्म 'मुगल-ए-आजम' बनी। यह फिल्म हिंदी सिनेमा की ऐतिहासिक फिल्मों में गिनी जाती है। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान वह गंभीर दिल की बीमारी से जूझ रही थीं, इसके बावजूद उन्होंने शूट पूरे किए। कई बार सेट पर उनकी तबीयत बिगड़ जाती थी, लेकिन उन्होंने कभी अपने काम को बीच में नहीं छोड़ा।कामयाबी के शिखर पर पहुंचने के बावजूद मधुबाला की जिंदगी आसान नहीं थी। बीमारी ने धीरे-धीरे उनके करियर को सीमित कर दिया, लेकिन उन्होंने कभी अपनी कमजोरी को आड़े नहीं आने दिया। 23 फरवरी 1969 को महज 36 साल की उम्र में उनका निधन हो गया।

स्थानकवासी उपधान तप आराधना के 'रजिस्ट्रेशन फॉर्म' का हुआ विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्य पार्श्वचंद्रजी व डॉ पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में 10 मई से पंद्रह दिवसीय स्थानकवासी आवासीय उपधान आत्म साधना के प्रथम सोपान का आयोजन अखिल भारतीय श्वेतांबर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ एवं बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान में गणेश बाग में किया जा रहा है।

इस हेतु उपधान आराधकों के रजिस्ट्रेशन फॉर्म का विमोचन एलएन पुरम स्थित जेपीपी जैन समणी सेंटर में समणी निदेशिका डॉ सुयशनिधिश्रीजी एवं समणी डॉ सुयोगनिधिश्रीजी के सान्निध्य में मुख्य अतिथि मीठालाल मकाणा, समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल, सह चेयरमैन मीठालाल लोढ़ा एवं समिति सदस्यों द्वारा किया गया।

जैन समणी डॉ सुयशनिधिजी ने तपस्वियों को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल की तकनीकी दुनिया में लोगों को कुछ पलों के लिए भी आत्म अवलोकन करने हेतु समय का अभाव प्रतीत होता है। तनावग्रस्त वातावरण एवं टेक्नोलॉजी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों से दूर होकर गुरु भगवन्तों के सान्निध्य में रहकर आगम वाँचन, साधना, जप जाप, क्रियाओं में तल्लीन रहने का यह उपधान आराधना अवसर है। जेके महावीरचंद चोरड़िया ने उपधान आराधना की जानकारी दी। महेंद्रकुमार चोरड़िया ने अधिक से अधिक आराधकों को इससे जुड़ने का निवेदन किया। समिति सदस्यगण महावीरचंद श्रीश्रीमाल, राजेंद्र नाहर, उत्तमचंद कोठारी, कोमलचंद धोका, रमेशचंद गुगलिया, पन्नालाल कोठारी, महेंद्रकुमार लुंकड़ ने वार्षिक सहयोगी सम्पतराज, निरुपमकुमार देवड़ा परिवार एवं एकदिवसीय लाभार्थी घीसूलाल विजयकुमार बोहरा का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन मनोहरलाल डूंगरवाल ने किया।

रींगस से खाटू तक 23 फरवरी को आयोजित होगी पैदल निशान यात्रा

निशान यात्रा में शामिल होंगे बेंगलूरु के 101 श्याम भक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में फाल्गुन मेले के अवसर पर 23 फरवरी को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी खाटू धाम में श्याम निशान (ध्वज) चढ़ाए जाएंगे। 23 को बेंगलूरु से 101 श्याम भक्त हवाई मार्ग से जयपुर होते हुए राजस्थान के रींगस पहुंचेंगे जहां 21वीं पैदल निशान यात्रा का आयोजन किया जाएगा।रींगस में विधिवत रूप से निशानों की पूजा कर सभी भक्त निशान उठाकर खाटू तक पैदल जाएंगे और बाबा श्याम को निशान अर्पण करेंगे। निशान यात्रा के निमित्त शनिवार को स्थानीय श्याम मंदिर में शाम 4 बजे विधि विधान से मंत्रोच्चार पूर्वक निशान पूजा की गई। निशान पूजा के बाद मंदिर में श्याम भजन कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय गायकों ने बाबा श्याम के मधुर भजनों के साथ साथ फाल्गुन की धमाल प्रस्तुत की। इस मौके पर उपस्थित बड़ी संख्या में भक्तों ने नाचते झूमते हुए भजनों का आनंद उठाया। इस मौके पर मंदिर के संस्थापक सदस्य महेश गुप्ता, किशोरीलाल मोहता, रेवंतमल झंवर, सुशील राणासरिया, ऋषि गुप्ता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। इस अवसर पर बाबा श्याम की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया गया। कीर्तन के पश्चात आरती व प्रसाद के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। शनिवार को फाल्गुन मेले के उपलक्ष्य में विभिन्न संस्थाओं द्वारा भी निशान यात्रा निकाली गई। श्याम मंदिर पहुँच कर सभी भक्तों ने बाबा श्याम को निशान अर्पण किए।

जीतो नार्थ चैप्टर द्वारा 'शून्य से शिखर तक 3.0' का हुआ आयोजन

मोतीलाल ओसवाल ने दीर्घकालिक निवेश की दी जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो (जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन) नार्थ चैप्टर द्वारा 'शून्य से शिखर तक 3.0' का आयोजन एक होटल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जीतो के पदाधिकारीगण, गणमान्य व्यक्तियों एवं सदस्यों द्वारा नवकार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने सभी अतिथियों व पदाधिकारियों का स्वागत किया। महामंत्री विजय सिंघवी ने कार्यक्रम का संचालन किया।कार्यक्रम संयोजक प्रीतेश जैन ने शून्य से शिखर की संकल्पना के बारे में बताते हुए कहा कि ज्ञान, कौशल और अनुशासित सोच ही दीर्घकालिक सफलता का आधार हैं। प्रायोजक बाबूलाल, मदन, मनोज मुणोत, धीरज दक एवं विवेक पितलिया का सम्मान किया गया।ङ्गइस मौके पर विशेष रूप से उपस्थित उद्योगपति एवं निवेश विशेषज्ञ मोतीलाल ओसवाल का परिचय सतीश पोरवाड़ ने दिया। गौतम जैन ने ओस्तवाल से उनकी व्यवसायिक यात्रा, कार्यशैली एवं निवेश दर्शन पर चर्चा की। इस मौके पर ओसवाल ने संघर्ष से सफलता तक की अपनी प्रेरक यात्रा साझा करते हुए कहा कि दृढ़ संकल्प, निरंतर अध्ययन और दीर्घकालिक सोच ही उन्हें शून्य से शिखर तक ले गई।

उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि हम अपने और परिवार के लिए प्रयास करते हैं, किंतु समाज और राष्ट्र के प्रति योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सफलता का वास्तविक अर्थ केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व निभाना भी है। मोतीलाल ओसवाल ने कहा कि शेयर बाजार में दीर्घकालिक दृष्टिकोण अत्यंत आवश्यक है। सही कंपनियों में धैर्यपूर्वक किया गया लोंग-टर्म निवेश ही वास्तविक संपत्ति निर्माण का आधार है। उन्होंने शोध, अनुशासन और निरंतर अध्ययन पर बल देते हुए बताया कि म्यूचुअल फंड सामान्य निवेशकों के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित एवं व्यवस्थित विकल्प हो सकता है, बशर्ते सोच-समझकर निवेश किया जाए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रोताओं ने विविध प्रश्न कर जिज्ञासाओं का समाधान किया।

जीतो की ओर से ओसवाल का सम्मान किया गया। इस मौके पर विभिन्न आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। ङ्गकार्यक्रम में तेजराज गुलेच्छा, श्रीपाल बच्छावत, नरेंद्र सामर, प्रवीण बाफना, रमेश बोहरा, भेरूमल भंडारी, महावीर मेहता, श्रीपाल खीवेसरा, इन्द्रचंद बोहरा, दिलीप जैन, नितिन लूनिया, लक्ष्मी बाफना, अनीश भोजनी एवं बबीता रायसोनी आदि अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। साथ ही संगठन की ओर से कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार आच्छा, मंत्री पंकज जैन एवं अशोक भंडारी सहित पूरी टीम ने व्यवस्था संभाली। अंत में कार्यक्रम सहसंयोजक दिनेश लोढ़ा ने सभी को धन्यवाद दिया ।

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में 195 लोगों ने कराई नेत्र जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के बन्नूर कस्बा स्थित रोटरी स्कूल में कोयम्बटूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के डॉ. अभिषेक नायर, डॉ. साईं तेजा तथा शिविर संयोजक विजयगंथ बीके व नर्सिंग कर्मियों की देखरेख में समाजसेविका गवरीदेवी कानसिंह राजपुरोहित की ओर से शनिवार को निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर रखा गया। शिविर में मैसूरु, बेंगलूरु और मंड्या जिलों के आसपास के गाँवों के 195 लोगों ने नेत्र जांच करवाई।

चिकित्सकीय परामर्श के बाद 69 लोगों को चिन्हित कर आंखों के ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र चिकित्सालय के लिए बस में रवाना किया। इस मौके महेंद्रसिंह राजपुरोहित, संतोष कंवर, राजेश सिंह, विराट सिंह, वन्यकंवर, शिक्षिका सुचित्रा आदि उपस्थित थे।

टीपीएफ सेन्ट्रल के निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 100 विद्यार्थी हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) बेंगलूरु सेंट्रल द्वारा शुक्रवार को गणपति विद्या मंदिर, मावल्ली में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के अंतर्गत विद्यार्थियों की सामान्य स्वास्थ्य जांच, डॉक्टर परामर्श तथा निःशुल्क चिकित्सीय सलाह एवं सुझाव प्रदान किए गए। इस पहल के दौरान कक्षा 8 वीं से 10 वीं तक के लगभग 100 जरूरतमंद विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

सेंट्रल के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा ने स्वागत किया। टीपीएफ के पूर्व राष्ट्रीय मुख्य न्यासी एमसी बलडोटा एवं टीपीएफ साउथ ज़ोन के सचिव भरत भंसाली ने टीपीएफ के उद्देश्यों व प्रोजेक्टों की जानकारी दी। डॉ. हीरा एवं डॉ. अमरीन द्वारा चिकित्सा जांच की गई।

कार्यक्रम का समन्वयन टीपीएफ सेंट्रल के सदस्य पवन बच्छावत ने किया। संस्था द्वारा आगामी दिनों में अन्य विद्यार्थियों के लिए भी इस तरह का शिविर लगाया जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण

वनकल मलेश्वरा महासंस्थान डाबसपेट द्वारा 21 फरवरी से 52वां वार्षिकोत्सव वनकल मलेश्वर जात्रा महोत्सव एवं राज्य स्तरीय कन्नड़ साहित्य उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मठ प्रमुख डॉक्टर श्री बसवारामानंद महास्वामी ने समाजसेवी महेंद्र मुणोत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग एआई शिखर सम्मेलन में नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज चिप विनिर्माता एनवीडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में भाग लेने के लिए प्रस्तावित अपना भारत दौरा रद्द कर दिया है। कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने एक बयान में कहा, अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण जेन्सन हुआंग इस समय भारत की यात्रा करने में असमर्थ हैं। हालांकि कंपनी ने कहा कि हुआंग की अनुपस्थिति में कार्यकारी उपाध्यक्ष जय पुरी के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस शिखर सम्मेलन में शामिल होगा।

बयान के अनुसार, जय पुरी के नेतृत्व में एनवीडिया का प्रतिनिधिमंडल भारत के एआई शोधकर्ताओं, स्टार्टअप, डेवलपर्स और देश के एआई बुनियादी ढांचे का निर्माण करने वाले भागीदारों के साथ संवाद करेगा।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' का आयोजन 16 से 20 फरवरी तक यहां प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में होना है।

एनवीडिया अपने तेज प्रोसेसिंग वाले जीपीयू सर्वर के कारण वैश्विक कृत्रिम मेधा (एआई) पारिस्थितिकी में दबदबा रखने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक है।

बांग्लादेश में किसी भी कीमत पर कानून-व्यवस्था बनाए रखनी होगी : रहमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/भाषा। बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान ने बांग्लादेश में किसी भी कीमत पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने का शनिवार को आह्वान किया और सुरक्षित व मानवता का सम्मान करने वाला देश बनाने में सहयोग देने की अपील की।

रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शुक्रवार को ऐतिहासिक संसदीय चुनावों में दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ शानदार जीत दर्ज की। रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। वह अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस की जगह लेंगे। रहमान ने 13वें संसदीय चुनावों में भारी जीत के एक दिन बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमें सुरक्षित और मानवता का सम्मान करने वाला बांग्लादेश बनाने के लिए सभी के सहयोग की आवश्यकता है। इस बार देश के पुनर्निर्माण में सभी को जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी।

'द ढाका ट्रिब्यून' के अनुसार, रहमान ने कहा, किसी भी बहाने किसी के साथ अन्याय नहीं किया जा सकता। किसी भी कीमत पर कानून-व्यवस्था बनाए रखनी होगी।

रहमान ने कहा कि देश के स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों ने बीएनपी को विजयी बनाया है। उन्होंने चुनाव परिणाम को जनता की जीत बताया।

बीएनपी अध्यक्ष ने कहा, आज से सभी स्वतंत्र हैं। आप सभी को बधाई। सभी की भागीदारी के साथ देश में फासीवाद-मुक्त सरकार की यात्रा शुरू हो गई है। उन्होंने कहा, देश के निर्माण में सभी के विचार महत्वपूर्ण हैं। हम सभी की राय के आधार पर देश का निर्माण करेंगे।

निर्वाचन आयोग (ईसी) के अनुसार, बीएनपी ने 297 में से 209 सीट जीतीं, जबकि दक्षिणपंथी जमात-ए-इस्लामी को 68 सीट पर जीत मिलीं। हसीना की पार्टी अवामी लीग के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

मित्र मंडल का 'महाशिवरात्रि महोत्सव' आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मित्र मंडल के तत्वावधान में रविवार को महाशिवरात्रि के मौके पर शाम 6.30 बजे से 'महाशिवरात्रि महोत्सव' का आयोजन ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में किया जा रहा है। इस महोत्सव में बनारस से भजन गायिका पुष्पा बनर्जी, बेंगलूरु के हरिकिशन सारड़ा व हैदराबाद के रघुवीर तिवारी भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस मौके पर भजन कीर्तन के बाद रात्रि 10.30 बजे आरती की जाएगी। अध्यक्ष रामेश्वरलाल पंचारिया ने बताया कि इस मौके पर भगवान शिव की मनोरम झांकी भी सजाई जाएगी। मंत्री कमल लिल्हा ने सभी शिवभक्तों को कार्यक्रम में आने का न्यौता दिया है।

देश आत्मनिर्भर नहीं, 'ट्रंप पर निर्भर' होता दिख रहा है: सिब्बल

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शनिवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आत्मनिर्भर बनाने के दावों के बावजूद देश अब ट्रंप पर निर्भर होता दिख रहा है।

सिब्बल ने सरकार पर यह आरोप भी लगाया कि उसने भारत की विदेश और आर्थिक नीतियों को अमेरिका के हिसाब से तय करने पर सहमति जताई है, जो भारत के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ।

निर्दलीय सांसद ने संवाददाताओं से कहा, हम लगातार आत्मनिर्भर की बात सुनते रहे, अब लगता है कि यह 'ट्रंप पर निर्भर' हो गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने नए प्रधानमंत्री कार्यालय 'सेवा तीर्थ' और केंद्रीय सचिवालय की दो इमारतों 'कर्तव्य भवन 1 और 2' का उदघाटन किया, साथ ही पूछा कि लेकिन क्या उन्होंने देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाया है?

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**